



## রাজারহাট শিক্ষানিকেতন

উচ্চতর মাধ্যমিক বিদ্যালয়  
বহুমুখী শিক্ষা

স্থাপিত : ১৯৫৪

ইন্ডেক্স নং (Index No.) : বি-২-০৯৯ (B-2-099) মাধ্যমিক (M.P.)

উচ্চবিদ্যালয় কোড নং (H. S. Code No.) 103179

তাফবর : রাজারহাট, জেলা : উত্তর ২৪ পরগণা

পিন কোড নং : ৭০০১০২ ০ দূর্বারা : ২৫৭৫-৯০৪৯

বঙ্গাব্দ  
১৪২০



গ্রাস্টার  
২০১৩

## সারস্বত

# সারস্বত

বিদ্যালয় পত্রিকা

S A R A S W A T A

*A School Patrika*

by

Teachers, Students & Others

প্রকাশকাল : ২০১৫

প্রকাশক :

রাজশাহী প্রকাশনিকেন্দ্র

রাজশাহী, উত্তর ২৪ পরগণা

কলকাতা - ৭০০১৫৮

মুদ্রকার : ২৫৭৫-৯০৪৬

প্রক্ষেপ :

সচেতন

মুক্তক :

চার্স প্রেস

১০৩৩, ধনবেণী রোড পোত

কলকাতা - ৭০০০৫৮

মুদ্রকার : ২৫৬২-৮৬৬২

বর্ণ-সংস্কৃতপত্রিকা :

আজ্ঞানেট এক্সপ্রেস

৪১৬, নবাবগঢ়কা পশ্চিম

কলকাতা - ৭০০০৫৯

চলাকার : ৯৮০৬৫৫৯০৫০

## বিদ্যালয়ের নিয়মাবলীর কয়েকটি গুরুত্বপূর্ণ বিষয় :

- ১। **প্রথম স্তরীয়—** “জনগণ মন ভদ্বিনাক আয় হে”  
সমষ্টি ধারাধারী এবং নিষ্ক-নির্দিষ্ট পূর্ব নিষ্ক-নির্দিষ্ট এবং নিয়মাবলী সকলকে ১০-৫০ মিনিটে বিদ্যালয়ে উপস্থিত হবে এবং এখনো অনুমতি ফলো বাজলে বিদ্যালয় সভার মাঝে ধার-ধারীসহ সুশৃঙ্খলারে বীচাতে হবে। জানিন অনুমতি সকলের উপস্থিতি একাত্তরাসে বাল্বাচালক।
- ২। **গোশাক—** ধারাসের পাই শার্পে, সালা শার্পি, সালা কেক্স, সালা মোজা ও শীতকালে সেলী পু সোয়েটার। ধারাধারীসহ সালা জাব (পাই বর্তাসহ), সালা কেক্স, সালা মোজা ও শীতকালে সেলী পু সোয়েটার। ধারাধারীসহ সালা জাব (পাই বর্তাসহ), পাই পুড়িলুর (পাই বর্তাসহ), সাল ভড়না (পাই বর্তাসহ), সালা কেক্স, সালা মোজা ও শীতকালে সেলী পু সোয়েটার। ধারাসের খেলার গোশাক— কালো শার্পে, সালা পেজি, সালা মোজা ও সালা কেক্স।
- ৩। বিদ্যালয়ের মেটি পাঠের পাঠেন বিদ্যালয়ের ৭০ শতাংশ (৭০%) সিনে নির্মিত গোশাক ও বাজসের ধার-ধারীসহ উপস্থিতি বাল্বাচালক। উপস্থিতির হাত ১০% -এর কম হাতে প্রতিক্রিয়া নিষ্ক-নির্দিষ্ট ধারিয়েক নীলিখন অন্তর্ভুক্তে সুযোগ আবাবে না। বিদ্যালয়ে কেন্দ্ৰিয় অনুপস্থিতি ধারাসে পৰবৰ্তী উপস্থিতির নিষিটে অভিজ্ঞানকের পৰ অনুশীলি কেনি নিষ্ক-নির্দিষ্ট নিষিট আবা নিতে হবে। পৰ সিনে বেশি অনুপস্থিতি ধারাসে প্রথম উপস্থিতির মিন বেতিজাল স্টার্টিপিকেট সহ আলেকেন করাতে হবে। এখন নিষ্ক-নির্দিষ্ট মহাশয়ের সিষ্টি।
- ৪। কেন সেপির কেন অস্বৰূপসের পৰি হলে যে বা ধাৰা পৰি করাতে আৱ বা তাসের কথা বিদ্যালয় কৃত্তপক্ষকে আৰামো সৰাগই নীতিগত দারিদ্ৰ। অন্যথা বৈ স্রেনিৰ সকলকেই লাভি কৰা হবে।
- ৫। নীলিখন সময় অস্বৰূপ উপায় অবলম্বন কৰলে বৰিধাৰ কৰা হচ্ছে প্রাপ্তে।
- ৬। বাৰিক ধারে পি কৰিব সহজ নিতে হবে। অন্তৰাপৰ ধার-ধারীসহে মে পি নির্মিত সহজে নিতে হবে। বাস্তৱিক নীলিখন অনুষ্ঠীন ধার-ধারীর পুনৰাবৃত্ত অধ্যাত্ম কৰকে ইয়ো কৰাসে বাৰিক সেৱা নি কৰা নিতে সেই ধারে হালিয়া আৰাম বাম নথিকৃত কৰাতে হবে। এক ব্যৱিতে পৰপৰ দুৰ্বল অকৃতকৰ্ত্ত হলে বিদ্যালয়ে পড়াৰ সুযোগ দেওৰা হবে না।
- ৭। বিদ্যালয়ের ধার-ধারীসহ নির্মিত পিৱিয়তে অকৃতক ব্যবহাৰ কৰাতে হবে। অকৃতক অকৃত যত্ন সহজাতে ব্যবহাৰ কৰাতে হবে এবং ১২ সিনেৰ মধ্যে আৰা নিতে হবে। অন্যথাৰ জৰিমানা নিতে হবে। বাৰিক নীলিখন আৰে অকৃতগামীৰে পুঁজক আৰা নিতে হবে। অন্যথাৰ পুঁজক পৰ দেওৰা হবে না।



१०१. लिंगि पाता चूर्ण	क्र. क. (वासन)	—	पाता विकास
१०२. लिंगि टेप्पडी चूर्ण	क्र. क. (लिंगियम)	—	पाता विकास
१०३. ली अस्तुराम चूर्ण	क्र. क. वि. (चूर्णित), क्र. क. वि. (लिंगियम)	—	पाता विकास
१०४. लिंगियम लिंगियम	क्र. क. (लिंगियम)	—	पाता विकास
१०५. ली लिंगियम्बुरा लिंगियम	क्र. क. वि. (लिंगियम)	—	पाता विकास
१०६. लिंगि गुरुदी लेप	क्र. क. क. वि. (लिंगियम)	—	लिंगियम उत्तम
१०७. लिंगियम चूर्ण	क्र. क. क. वि. (लिंगियम)	—	लिंगियम उत्तम
१०८. ली शंख चूर्ण	क्र. क. वि. (लिंगियम-शंखि)	—	शंख विकास
१०९. ली निरो चूर्ण	चूर्णित	—	शंख विकास
११०. लिंगियम लिंगियम चूर्ण	क्र. क. वि. (लिंगियम)	—	पाता विकास
१११. ली चूर्ण	चूर्णित	—	पाता विकास
११२. ली अस्तुराम चूर्ण	चूर्णित	—	पाता विकास
११३. ली निरो चूर्ण	चूर्णित	—	पाता विकास उत्तम
११४. ली लिंगियम चूर्ण	चूर्णित	—	पाता विकास
११५. ली गुरुदी चूर्ण	चूर्णित	—	पाता विकास
११६. लिंगियम लिंगियम	चूर्णित	—	पाता विकास
११७. लिंगियम शंखि	चूर्णित	—	पाता विकास
११८. लिंगियम चूर्ण	चूर्णित	—	पाता विकास
११९. लिंगियम चूर्ण	चूर्णित	—	पाता विकास
१२०. लिंगियम चूर्ण	चूर्णित	—	पाता विकास
१२१. लिंगियम चूर्ण	चूर्णित	—	पाता विकास

ବର୍ତ୍ତମାନ ପରିଚାଳନ ମଧ୍ୟଭାଗ - ୨୦୧୦

- |                             |   |
|-----------------------------|---|
| ११. शीर्षक संग्रह           | संस्कृती विद्यालय परिवर्तन (पा. फ.)       |
| १२. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन  | अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन (संस्कृती विद्यालय) |
| १३. शीर्षक संग्रह           | (संस्कृती) विद्यालय ट्राईवर्स             |
| १४. शीर्षक संग्रह           | (वार-वारापर्व) विद्यालय ट्राईवर्स         |
| १५. शीर्षक संग्रह           | (वारपर्व) वारपर्व अधिकृत अध्ययन           |
| १६. शीर्षक संग्रह           | पुस्तक संग्रहालय (प्राचीन लिखित)          |
| १७. शीर्षक संग्रह           | संग्रह (विद्यालय ट्राईवर्स)               |
| १८. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन  | संग्रह (विद्यालय ट्राईवर्स)               |
| १९. शीर्षक संग्रह (वारपर्व) | संग्रह (विद्यालय ट्राईवर्स)               |
| २०. शीर्षक संग्रह           | संग्रह (विद्यालय ट्राईवर्स)               |
| २१. शीर्षक संग्रह           | संग्रह (विद्यालय ट्राईवर्स)               |
| २२. शीर्षक संग्रह           | संग्रह (विद्यालय ट्राईवर्स)               |
| २३. शीर्षक संग्रह           | संग्रह (विद्यालय ट्राईवर्स)               |



# ଶ୍ରଦ୍ଧାଙ୍ଗଳି



ରାଜାରହାଟ ଶିକ୍ଷାବିହେତୀର-ତିର ଗ୍ରାହିଣୀ

ଶୋଭେନ୍ଦ୍ର କୁମାର ଦାସ

ଅବଧି

## ৩৫১

## শোকবাতী

আমরা গভীর মুখ ও দেহনায় প্রচার সঙ্গে প্রয়োগ করছি বিদ্যালয়ের প্রাচুর্য শিক্ষক "শক্তরত্নমার প্রাচুর্য মহাশয়কে, প্রাচুর্য শিক্ষক "মুকুলচন্দ্র পাল মহাশয়কে, শিক্ষাবৃক্ষী "ভজন সর্ব মহাশয়কে এবং অষ্টম শ্রেণির ছাত্র "শুভদেব ঘোষ-কে। এদের শোকসম্মত পরিবারবর্গের প্রতি আন্তরিক সমবেদন জননাই।

এই সমাচারে দেশ-বিদেশের বহু বর্ণের ব্যক্তিগণ উপাত্ত হয়েছেন। আন্তরিক বিপর্যয়ে মিহত ও আহত হয়েছেন সকল লোক জনগণ।

ঠিসের সকলের প্রতি বিদ্যালয়ের পক্ষ থেকে সজ্ঞাচিত্তে অভ্যর্ত্তের প্রশংসন আপন করছি।

রাজারহাট শিক্ষানিবেদন (ড. ম.)

## সূচিপত্র

বিষয়	লেখক/প্রেরিতকার নাম	পৃষ্ঠা নং
সম্পত্তীর হাস-ছাতীনের পক্ষ থেকে আবাসের কথা চৰ্চা সম্পত্তির ক্ষেত্ৰে	মৈলিম মজল মজুল রায় মজুল মিহায়েদ্দীন খেল	১৩ ১৪ ১৫ ১৬ ১৭
জাতোষ্টী শিক্ষা নিকেতন কুমাৰ সহেল মহান কবি হেক না অন আবৰণ কবিতা বৰ্ষ কৃষি কোষায় সকল কোল পুর্ণ হের স্বাধী আবৰণ বিশেষবেচা শুধু শিল্পের পুরিত পাতা গুরসের লিপি পিতৃ পৰিক যাজেন আলোবৰ্মা শিক্ষালভ সুন্দৰ দানো জ্ঞান সেপ্টেম্বে আবৰণ পাতি আচ্ছা মাসের কবিতা জ্ঞান সেৱা বাদের মেলা	ইয়াব আলি সুমিৰ পাল সুব্রত সুন্দৰ মৈলিম মজল জোকীল রহমান সেখ আলজাফীয়ান কলিন রহমান মহু পৰিক মুহিমা চৰকলী কৃষি পাল সেখ আলিমুল ইসলাম সুন্দৰ ইসলাম বৰুজ কুল আবিসূল নৱজাহান মৈলিমা নৰুর শাহলালুন সাহী অধীৰ নৰু সেখ ইসলামিন মৈলিম মজল নূর আবিন মজল অপৰিজ্ঞা জ্ঞান মৌলিক খেল	১৮ ১৯ ২০ ২১ ২২ ২৩ ২৪ ২৫ ২৬ ২৭ ২৮ ২৯ ৩০ ৩১ ৩২ ৩৩ ৩৪ ৩৫ ৩৬ ৩৭ ৩৮ ৩৯ ৩৩ ৩৪ ৩৫ ৩৬ ৩৭ ৩৮ ৩৯ ৩৩ ৩৪ ৩৫ ৩৬ ৩৭ ৩৮ ৩৯

पद्म एलोमेलो	अडिगिंदा, नक्कर	५४
पात्र	अविव अंगी	५५
सात यात बहिर विलन	अविविंश याय	५५
पर्विल	सिंटूली देव	५५
पीज लेटे ना	अमृत कारव	५५
पात्र ओ वेलिन	अनिश्चितिन इक्कल	५६
प्राणि	बिखिंश, शेष्वार	५६
प्रभासीडि	अविक्षितिवि	५६
पाला	पर्वा लेले	५६
लीन याने थी।	नुविक्षुलात यासवार	५७
योसेर तिर याय "जामची याम	अविवेक नवलार	५७
मिडालिन	येहून अंगी	५८
पूर्वि याकुलेर अलेप	सेप याकालार्डिनि	५९
यास्योर यूत	नूर अविव इक्कल	६०
याकुत यू	आमूल याकिंव यूंगी	६१
युक जोलन (एकटी याह एकटी याम)	अविव नाल	६२
पूर्वीय अलेप अलाला योदे	अविव नाल	६३
नाल	जाकीन दे	६४
दे युवि।	नूर निति	६५
निला	अविविंश यामूर्ति	६६
युलार यैविल	इवालिन या	६८
"यामार ली नव यामायी याम्म"	मिलिय याल	६९
यामायेर लेलेर याम	विल सरलार	७०
अविलोके शांति	याकर शांति	७१
निलिय निलिय	सरलेल पर्वि	७२
इप्पिला	अविक्षितिन विल	७६
यामुलानेर याहात	यायाता देव	७८
यिलेर यूतायम	लील यामाली	७९
अविप्रियार याना याला	युवि याहार्म	८१
साही याला यू-याति	याल नाल	८०
ही-ही — १	यामूल याकिंव यूंगी	८१
ही-ही — २	अविवेक नवलार / नूर अविव इक्कल	८२
यामालीक	अविव अंगी	८६

## সম্পাদকীয়...

একসাথে কাজ করার মধ্যে থাকে আনন্দ, শুশি, শুব শুব ভালোগা। কূট চলা সময়ে সৃষ্টির অন্ত সময়-সৃষ্টি করা শুবই করিন। সবার মুখে একটিই কথা সময় নেই। তবুও সময় কাসে সবচেয়ে হাত ধরে— ‘সারহত’ সাধনার।

কাবনায়লো কূটে গঠে— গৱ, কবিতা, প্রবন্ধ, লীখ, হাস্য-কৃতি, রহস্যমনা অনুষ্ঠি এক-একটা মূল-ফসলে। তাঁরা তা সহিত বাধানে সাজিয়ে সের সবচেয়ে।

উপর্যুক্তি করে সাগীয়ে সৃষ্টি সভারে যেতে গঠে রম। এই জো পেয়েছি তারে। যে হিল এই আকাশে-বাতাসে, জলে-হুলে সবখানে। সে সিল ধরা অবাসের অঙ্গে। সে নিজের মতো করে নিজের মাঝে ধারুক।

দেখা-বেগ দিয়ে আমরা একে লিই সেই হই— যা মানুষের মনের খোঁজ হয়ে থাকবে তিরিবিন।

আমাদের প্রতিকার আমরা যা রাখি তা আমাদের চির-সম্পদ। স্বরবেদনের সৃষ্টি-গাতা মূলে দেখতে পাব— ‘সারহত’ শেখালো সৃষ্টি করতে, তাঁর হয়ে উঠতে। মিল শক্তি, সাহস-প্রেরণা।

‘সারহত’ প্রকাশ করতে গেরে আমরা শুবই আনন্দিত। প্রকাশের মহিমায় প্রজ্ঞাক প্রাপ্ত ভরে উঠুক এই প্রজ্ঞাপা।

পরিকার যারা এনো যারা এনো না, সকলের কাছে আমরা কৃতজ্ঞ। সশিলনে সমন্বেত হয়ে আগামী সিনে আরও আরও পথ চলায়— ‘সারহত’।

অভিনন্দনার—  
মীলিমা হাতুল  
সম্পাদিকা — ‘সারহত’

## ଛାତ୍ର-ଛାତ୍ରୀଦେର ପକ୍ଷ ଥେବେ

ଆମାଦେର ପ୍ରତ୍ୟେକେର ଜୀବନେ ଏକଟା ବିଶେଷ ଉଚ୍ଚତପୂର୍ଣ୍ଣ ସମୟ ହଲେ ହାତ ଜୀବନ । ସକଳ ଛାତ୍ର-ଛାତ୍ରୀରା ଆମ ଅର୍ଜନ ଓ ଶିକ୍ଷାଲାଭର ମଧ୍ୟ ନିଯୋ ଜୀବନେର ସାର୍ଥକତା ଲାଭେର ପଥ ଖୁଜେ ପାର । ହାତ ଜୀବନେର ମୂଳବୋଧ, ଆଦର, ଶୃଦ୍ଧା, ଶିଖିତାର, ଉଚ୍ଚଜ୍ଞନେର ପ୍ରତି ଅଭ୍ୟାସ ଏଇତୁମି ଆମରା ପିବି ବିଦ୍ୟାଲୟରେ ସଂପର୍କ ଥେବେ । ଦୟା, କ୍ଷମା ଇତ୍ତାମି ମହା ଉପାଦାନୀ ଆମରା ଅର୍ଜନ କରି ଶିକ୍ଷକ-ଶିକ୍ଷକର କାହିଁ ଥେବେ । ଆମାଦେର ଜୀବନେର ନାନା ସଜ୍ଜାବନା ବିକଲ୍ପିତ ହରା ଏବଂ ଭବିଷ୍ୟତର ସୀଜ ବୋନା ହ୍ୟ ବିଦ୍ୟାଲୟର ବିଦ୍ୟା ଅର୍ଜନେ ମାଧ୍ୟମେ । ତାହିଁ ତେ ଆଜ ସକଳକେ ଆହୁନ ଜାନିଯେ ବଲାହି—

“ବର୍ଷେ ବର୍ଷେ ହଲେ ହଲେ ଆମେ ବିଦ୍ୟାମଠିତଲେ ।”

ଆଜ ଆମରା ବିଦ୍ୟାଲୟର ପତ୍ରିକା ‘ଶାରସ୍ଵତ’-ଏର ମାଧ୍ୟମେ ନିଜେଦେରକେ କିମ୍ବା ହଲେଓ ବିକଳ୍ପିତ କରାତେ ପାରାହି । ତାହିଁ ଆଜ ଆମରା ଉଚ୍ଚତପୀତ କରଣ ପ୍ରତ୍ୟେକ ମନୁଷୀଙ୍କ ଜୀବ ଆବ ନିଜେରେ ସୃତିକେ ପ୍ରକଳ୍ପ କରାତେ, ତେବେନି ଆମରାର ଅର୍ଥାତ୍ ଛାତ୍ର-ଛାତ୍ରୀରାଙ୍କ ତାହିଁ ନିଜେର ସୃତିକେ ପ୍ରକଳ୍ପ କରାତେ କବିତା, ଗାଁ, ପ୍ରବନ୍ଧ, ଭାଷଣ କାହିଁମି, ହା-ହା, ହାସ୍ୟାକୌଣ୍ଡକ୍-ଏର ମାଧ୍ୟମେ ।

ବର୍ତ୍ତମାନ ଏଇ ପତ୍ରିଶୀଳ ମୁଦ୍ରାଓ ନିରକଳତା ହଲେ ଏକ ବଢ଼େ ଅଭିଶାପ । ଏକେ ଦୂର କରାନ୍ତେଇ ହବେ । ତାହିଁ ସମାଜେ କୁସଂକ୍ଷାର ଓ ବିଜ୍ଞାନାକେ ଶୁଭିତେ ଜାନେର ଆଲୋକ ଆଲୋକିତ କରେ ପଥ ପ୍ରଦର୍ଶକର ଦାନିହ ନେଓରା ଉଚିତ ଛାତ୍ର-ଛାତ୍ରୀଦେର । ତାହିଁ ଆମାଦେର ବିଦ୍ୟାଲୟର ନିଜୀ ପରିକା ‘ଶାରସ୍ଵତ’ ହ୍ୟ ଉଠୁକ ଆମାଦେର କାଳୋ ବନ୍ଧୁ, ପଥ ପ୍ରଦର୍ଶକ ଓ ଜାନେର ସମ୍ପିଳିତ ଭାଗୀର ।

## আমাদের কথা

আমাদের বিদ্যালয় হাজারাটি শিক্ষার্থী (উ. মা.)। করকাল আগে এই অঞ্চলে দুর্গতি কলতানে এসেছে শিক্ষার্থী মন। 'বর্তে বর্তে মন দলে', আগে বিদ্যা মঠেরে তলে যাই আগে কলতানে /' শিক্ষা নাড়ের অন্য হাজার-হাজার হাজ-হাজী আমাদের বিদ্যালয়ে এসেছে এবং আসবে। আবাসের অঙ্গীয় থাকে— আগের শিক্ষালয় করা। পটুক-পাটুন সহ নানাস চারিত্বের উপাখণ্ডের ধোপ ঘটে বিদ্যালয়ের আডিনোর অন্মে। আমাদের মহ-পর্বতি অপরিমিত। অনুভূতি শিক্ষার পুরুষ করার জন্য হাজ-শিক্ষক-শিক্ষার্থীক জৈব সমন্বৃত করতে হবে।

পুরুষ থেকে ধোপ বেলি পর্বত বিদ্যালয়ে হাজ-হাজীর সবুজ কর্মসূক্ষ সৃষ্টি হচ্ছে। বর্তমান শিক্ষালয় (২০১৫) প্রায় ২৫০০ (মুই হাজার পাঁচশত জন) সেই ভূমিকার শিক্ষক-শিক্ষার্থী ও শিক্ষা সংস্কারক হাজারপ্রাপ্তির আজাদ আছে। মানবিক, সামৰিক, বিজ্ঞান বিষয় উচ্চবিদ্যালয়ের ক্ষেত্রে প্রভাবে হচ্ছে। সহ-শিক্ষামূলক বিভিন্ন কার্যক্রম (ক্লেশুলা ও নানান সামুদ্রিক অনুষ্ঠান) বিদ্যালয়ে নির্মিত অনুষ্ঠিত হচ্ছে। বিদ্যালয়ের পুরুষীর কর্মসূল সহ অন্যান্য বিষয়ে অনেক অগ্রগতি হচ্ছে। অবৃত্ত আগতও অগ্রগতি চাই। বর্তমানে বিদ্যালয় সকলের পোর্টফোলিও বিদ্যালয়ে রাখার্থান্তিত হচ্ছে।

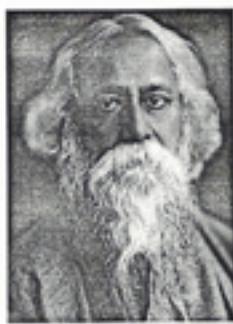
সকলে একসাথে মিলিত হয়ে বিদ্যালয় ব্যবস্থাকে সৃষ্টিকান্ত পরিয়ালন করতে, পরিয়ালন প্রতিপ্রতি সহ সকলের আত্মীয় অশ্রেষ্ঠ একান্ত প্রয়োজন।

বর্তমান পরিয়ালন স্থিতিতে সহায়তার বিদ্যালয় গুহের সম্মানাল হচ্ছে। সরকারি ব্যবস্থাপনার নতুন ১০জন শিক্ষক/শিক্ষিকা কর্তৃ স্কুল বিদ্যালয়ে যোগদান করতেন। সেজন্য আগ্রহিক প্রচেষ্টা ধোপ করা হচ্ছে। বর্তমান শিক্ষার সম্ম সমষ্টি হেবে নতুন শিক্ষাব্যবস্থার হাজ-হাজীরে সর্বিক উদাস হওয়ে এই বিদ্যালয় রাখি।

আমাদের বিদ্যাস এই করকারে আমরা অবশ্যই সহজ হবে।

শ্রুতি রাজ  
সহান শিক্ষক

## প্রার্থনা / জাতীয় সংগীত



জন-গণ-মন-ভদ্রিয়াকে জয় হে ভারত ভাগ্যবিদ্যাতা  
পাখাৰে সিন্ধু ও জয়তি মাঝামা মাৰিড় উৎকল-বন  
বিশ্ব হিমাচল যমুনা গঙ্গা উচ্ছুল জলবিদ্যুতৰস  
তব কৃত নামে জাগে তব কৃত আশিস মাঝে,  
গাহে তব জয় গাহা  
জন-গণ-ভদ্রল দায়ক জয় হে ভারত ভাগ্যবিদ্যাতা  
জয় হে, জয় হে, জয় হে, জয় জয় জয় হে !!

—শ্ৰীনৃসন্দেশ টাঙ্কুৱ

সম্পাদকের কলাম  
হিমাঞ্জলির ঘোষ, সম্পাদক

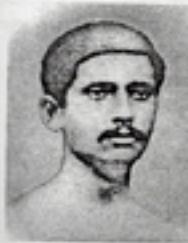
রাজগুহট শিক্ষনিকেতন (উ. ম.) রাজগুহট অবলোর মধ্যে অন্ততম বিদ্যালয়।  
শিক্ষানুরাগী বছমানুবের প্রচারীয় ২৩ জানুয়ারি ১৯৫৪ সালে রাজগুহট শিক্ষনিকেতন এর  
তত্ত্বাব্দী কর্তৃ হয়।

শহ-সহব শিক্ষার্থীর আগমনে এই বিদ্যালয় সূর্য অঞ্চল থেকে বর্তমান এবং ভাবিকালে  
তার শিক্ষার্থীকে বহন করে চলাবে এই বিদ্যালয় ও প্রয়োগ।

বিদ্যালয়ে যেমন শিক্ষক-শিক্ষিকা-ছাত্রছাত্রী থাকে তেমনি যাকে প্রতিজ্ঞান করিটি।  
সুন্দরবে বিদ্যালয়কে প্রতিজ্ঞিত করতে পারলে, প্রতিন-প্রাঠ্যদল বিদ্যালয়ের সার্বিক উজ্জ্বল  
করা সফ্টব হবে। তাই প্রতিজ্ঞান করিটি গভীর হয়েছে।

বিদ্যালয় সম্পাদক হিসাবে সকলের কাছে আবেদন আমাদের বিদ্যালয়কে আমরা  
সম্মানের এবং পৌরন্যের সর্বোচ্চ শিখতে নিয়ে যাবো। অনেক অভাব-অসুবিধা সমস্যা যাকবো।  
সেওলো আমরা সমবেতভাবে প্রতিষ্ঠান করবো।

সকলকে একসাথে একসাথে বিদ্যালয়ের সার্বিক উজ্জ্বলতে এগিয়ে আসতে ও সহযোগিতা  
করতে অনুরোধ করাই।



গাঁথি মে কৃষ্ণি খায়, করে জলপান,  
তার সার সুফলাপে করে প্রতিসান।  
পরজ্বল সামু যদি করেন প্রাণ,  
জীবের মসল হেন্ট করেন অর্পণ।

— রবিন্দ্রনাথ সেন

## ରାଜାରହାଟି ଶିକ୍ଷା ନିକେତନ

ଇତିର ଅଳି

ଏହି ସମ୍ପଦର ରାଜରହାଟି ନିଷ୍ଠାନିକେନ  
ପାରନ ଆହୁ ପାରନ ଦାତା-ଚାରୀଥା।  
ରାଜରହାଟି ନିଷ୍ଠାନିକେନ,  
ଆହୁ କହ ନିଷ୍ଠା-ନିଷ୍ଠାନିଲ,  
ଆଜା ଦାତା ପାରନ ନିଷ୍ଠା,  
ଏହି ଆହୁର ରାଜରହାଟି ନିଷ୍ଠାନିକେନ,  
ଶରୀର ତୋ ଓ ରାଜରହାଟି ନିଷ୍ଠା  
ପାରନ କହ ଦାତା-ଚାରୀ,  
ଆହୁ କହ ଆମେ ଯା  
ଆମା ପାଦାନ ଯେଉଁ  
ଆହୁର ରାଜରହାଟି ନିଷ୍ଠାନିକେନ।

## ମହାନ କବି

ଶାଶ୍ଵତ ଶରୀର

### ଶୁଣୋ ମାହେବ

ଶୁଣୁ ପାନ

କାହାର ଖୁଲା ହେବାନ ତୁମ୍ଭ  
ଧୂରାର କହ ତୁମ୍ଭ  
ମି-ଧୂରେ କହ ମଦ୍ରାନ  
ବୈଟୁମ୍ଭର କହ।  
କାହାର କାହାର ଶରୀର ବାଟି  
ପୃଷ୍ଠୁମ୍ଭିତେ କହିଲେ  
ତାହିର ନ ହେବ ପୁରୁଷ କାହାର  
ମେହାର ମହୋ ହାନେ।  
ମେହାର କାହାର କାହାର କାହାର  
ମହାମହ ନିରି,  
ତାହିର କହ ମେହ ନିର  
ମହାମହର ନିରି।

୧୫ ଯାହା ଧାର ଯୁଧ ଯୁଧନ ହେବି  
କାହାର ହାତ, ତୁମ୍ଭ ହେବାନ କାହାର ହାତି  
ହେବାନ ନିରି କାହାର ପାହିରି କାହାର ପାହି  
ମେ ଯାହା କାହାର କହ  
ତୁମ୍ଭର ଯାହା ହେବାନ ତୁମ୍ଭ ଯୁଧିତ  
ତୁମ୍ଭର ଯେହାର ବନିଜର ଶରୀର  
ମେ ଯାହା କାହାର କାହାର  
କାହିନି କାହାର କାହାର  
ହେବାନ କାହାର କାହାରର  
କାହିନି ହେବାନ କାହାରର।

**ହେଠିକ ନା ଅନ୍ୟ**  
ମିଶିଲା ମହାନ (ନା, ମିଶିଲ)

ମର ଏବଂ କଲେପନୀ  
ଏହୁତି ନେଇ ଥାଏ  
ଫୁଲେ ନାହିଁ  
ନି ପାଇଲି ନାହିଁ  
କାଳେ ଥାଏ ?  
ଏହୁତି ନେଇ କାଳେ  
ମର କଲେପନୀ  
ମର ତେ ତିଳ ମହାବାଜୀ  
ତିଳ ମିଶିଲା  
ଫୁଲୁ ନାହିଁ—  
ମର ଥାଏ କାଳୋ  
ମର ଦୂର ଏହି କାଳୀ  
ଯାଏ ଏବଂ ମର ଯୌ  
ମର ମିଶିଲା ନେଇ-ନେଇ  
ନ-ଏବ କୋଣ କାହିଁ  
ଖାଇ କୋ ଆହି କୋ ଆହି  
ମର ଫୁଲ ମର ଖାଇ...।  
ଫୁଲର ଫୁଲର କଲେପନୀ  
କଲେପନୀର କାହିଁ କାହାର  
ମର ପାହାର କାହିଁ ପାହାର—  
କାହିଁ ମରର କାହା, ମର  
ଏହୁତି ମରର କାହା  
କାହିଁ କାହାର କାହା କାହା



**ଆମାର କବିତା**  
ମେଜାଲିଲ ବହମାନ

ଆମି କାହାର ନା କେବ କାହା  
କାହାର ନା କେବ କାହା,  
ଆମି କାହା କୋ କାହା କୋହାକେ  
କାହାର କାହିଁତା।  
ମିଶିଲ କାହିଁ ମହାବାଜ କେବେ କେବେ  
କୋହାକେ କାହିଁତା।  
କୋହାକେ କାହା ମିଶିଲେ  
ଫୁଲ କାହାର କିମ୍ବା।  
ଖାଇର କରିଲେ କାହା  
କାହାକେ କାହା କାହା କାହା  
ଏହୁତି କୋହାକେ କାହାର କାହାରର କାହିଁତା  
ଏହୁତି ଫୁଲ କାହାର  
କାହାର କାହା କାହା  
ଖାଇର କାହାର କାହିଁତା।

## ବର୍ଣ୍ଣ ଭୂମି କୋଥାଯା ଦେଖ ଆକ୍ଷମାନଟିଲି

କଥେ ହାତୀ ଦେଖିବା ଭୂମି ହାତି, ହାତ ଦେଖ ନାହିଁ।  
ହାତି ପେଟୀ ଯା ହାତ ହାତ ଭୂମି ଦେଖିବା ଭୂମି ଦେଖ ନାହିଁ।  
ଭୂମି ହାତ ଦେଖ ଆକ୍ଷମାନ ବାବୁଙ୍କେ ହାତେ ହାତ,  
ଏହିହାତ ପରିଚିନ କଥ କଥକି ହାତେ ହାତ।  
ହାତୀ-ହାତ କାହାଟ ପାଇଲିବ ହାତ ହାତ ହାତ,  
ହାତ ହାତିଲେ ଉତ୍ତମ ହାତ ବା ହୌର ଭୂମିର ହାତ।  
ହୁ ହୁ ପରିଚିନ ଆକ୍ଷମାନ ଦେଖ କି ହାତ ହାତ,  
ହାତ, ହାତି ଆହ ଆକ୍ଷମାନ ହାତ କି ହାତ ହାତ।  
ହାତ ହାତିଲେ, ଦିଲ ହାତିଲେ ହାତିଲେ ପରିଚିନ,  
ହାତିଲେ ହେଲ ହାତ ହାତ ହୌରିଲେ ହାତିଲେ ହାତ,  
ହିତେ ହିତେ ବାବୁଙ୍କେ ହାତେ ଆକ୍ଷମାନ ଭୂମି।

## ଶୁଦ୍ଧ କାରୋ ଦାନିନ ରହିବାନ

ଶୁଦ୍ଧ କାରେ ହାତି ଶୁଦ୍ଧ କାରେ,  
ଶୁଦ୍ଧ କାରେ ହାତି ହାତ କାରେ।  
ଶୁଦ୍ଧ କାରେ ହାତ ହାତି କାରେ କାରେ,  
ଶୁଦ୍ଧ କାରେ ହାତି ହାତି କାରେଇତ।  
ଶୁଦ୍ଧ କାରେ ହେ ହେ, ହେ ହେ ହାତି,  
ଶୁଦ୍ଧ କାରେ କାରେ ହାତି ହାତି,  
ଦେଇଲି ଦେଖ ହାତି ଏହିହାତ କାରେ  
ଏହିହାତ ଦେଖ ଦେଇଲି ଦେଇଲି କାରେ।  
ଦେଇଲି ହାତ ହାତି ହାତି ହାତି ହାତ  
ହୁଣି ଅନ୍ତର ହାତ ହାତି ହାତି ହାତି।  
ହେତି ହେତି ଆକ୍ଷମାନ କାରେ ଶକ,  
ହେତି ପୁରିଦିଲାକ କାରେ କେ କାରେ।  
ହିତୁ ହିତୁ ଆକ୍ଷମାନ ହାତ ଦେ ନିଶିଳ  
ହାତ ଦେଇଲି ଏହିହାତ କାରେ କାରେ  
ହାତି ହାତି, ଆକ୍ଷମାନ କାରେ କାରେ  
ହୋଇଲେ ଦେଖ ନାହାନ ହାତିଲେ ଦିଲା।

## ଦୁଃଖ ହୋର ସାଧୀ ଶୁଦ୍ଧ ମହିଳା

ଦୁଃଖର ମାତ୍ର କଥ ଆହା  
ହାତିଲି ଦୁଃଖ ହାତ  
ଦୁଃଖ କାରେ କିମ ହାତ  
ଦୁଃଖ ହୋର କଥ ଆହା  
ଦୁଃଖ ହୋର ହାତ  
ଦୁଃଖ ହୋର ହାତି ହାତ  
ଦୁଃଖ ହୋର ହାତି ହାତି  
ଦୁଃଖ ହୋର ହାତି ହାତି।

## আমার কিশোরবেলা

সুনিধি চক্রবর্তী (পিছিব)

গেয়েছি নিজে, গেয়েছি যদি আমি বিশেষজ্ঞেন—  
মনে মনে উচ্ছবের নিয়ে দেখ দেখ।  
কাহু পরির অশালীনে পাখেরে ইয়ে করে।  
মূল পরির অশালীনে পাখেরে ইয়ে করে॥  
অবকাশের টৈ শীল আকাশ, আকাশে ইয়ে করে।  
পাখের পাতা স্বর্ণালীরে, আকাশে ইয়ে করে॥  
তিক দৃশ্যে দিয়েছি মনে, উড়তে ইয়ে করে।  
দেখে জ্ঞান প্রয়োগেরে করারে ইয়ে করে॥  
মনের দেখে, কানার মন, ঘূর্ণতে ইয়ে করে।  
অভ্যন্তর সিদ্ধিবাহী, ঘূর্ণতে ইয়ে করে॥  
গেয়ার-জলে চৌকের মাল-কেবেকে ইয়ে করে।  
ইয়েকারীর মনে মন, আনন্দে ইয়ে করে॥  
সর্বিন যে নীরি সঙ্গে দেখাশেন নাই—  
মনের মধ্যে কীলে জ্ঞান পাই দেখে কাহি।  
আমি বিশেষজ্ঞেও আহ,  
কাহিয়ে দেখে কাহি॥



## শুরুৎ

কৃষি পদ্ম

শুরুৎ বনে দেখেছে যদে যদে  
নিষিদ্ধি কর্ম মূল সূর্যের হাতে,  
মাট যান্তে করে দেখেটো বনে যদে  
সূর দেখে করে যা বানানু,  
বেগুনি সূর ফুলের দেখেটো বনে উঠানে  
শুরুৎজীর আভাস নামে সূর বানানুর মনে,  
বানে বনে দেখে উঠানে সূরের সুজো যদে  
মূল্যায় বানানুরের মেঁট উপস্থিতে।  
লক্ষ্মুণ্ড দেখে বনে বানান নামে যদে  
অশোকার দীর্ঘায় শুরুৎ আভাস করানে।

## বিদ্যালয়ের স্মৃতির পাতা

সেব আনিলুন ইন্দুর

একজন দেশাশের কৃষি  
সবার মনকে দেখে দে কৃষি।  
চীনের পূর্বির শাহীর  
সূর্য দে এক হাতে যাব।  
বনে পড়ে শাহী, আজ বাল্লোপাশের জীবা  
বিদ্যালয়ের চীনে যে সন্দৰ্ভেরে পাবা  
মৃত্যুবন সহপ্রতিমে নিখিল করা।  
মৃত্যু দেয়ে মৃত্যু দেয়ে আশুল দেখা।  
সব বিদ্যু দিয়ে পূর্বির শাহীর  
মন দীর্ঘ কর যে এক হাতে যাব।  
বিদ্যালয় চীনেরে এই সূর্যি  
হাতের দিয়ে রাখতি।



### পরামের দিন সাহিত্য ইসলাম

পরামের দেশে পুরুষ,  
বৃক্ষ চূড়ি কত দূরে ?  
হলে এসে কাজাগানি,  
নয়েন এসের কাজে আঢ়ি।  
জেমার জেন তিজেব বলে,  
বসে আছি ঝুলতি ধূলে।  
কলন্তি বলে আছে বলে,  
কে লেখে সুরি বলে।

### শিশু অধিক বাবা কর্তৃ (পিতৃ)

বাবের কালে দেখেছোলা  
কাজ করে সাধানি,  
এ কাটি ও কাটি খোজে—  
কটি করা পুরু খোজে  
বসন আটি লি বস  
বাসন যাজে বস বস  
পর দেখাই  
জল দেখাই  
তিছি দেখিয়ে খন দেখাই  
বস দেখে দেখি করানো  
কাজায়ের কাজ সাহানো  
দেখেন ধূল, দেখি আম  
কাজানে কাজে ও আম—  
আম কিমু বড় শাবা  
শিষ অধিকের কাজ নেবা।

### মাঝের ভালোবাসা বাকিসূল পূরকাইত

সবাই বলে যা,  
মাঝের যান কি যাব ?  
পূর্বদীনে মাঝের কেন নৌই তুলনা  
পাই কাজে আসে করে  
পুরু পাহাড়ে যা।  
কাই আকে বড়ো যাবে,  
পুরু লিব যা।  
মাঝে কোমার নৌই তুলনা  
জপ লিঙ্গ পাশে যাবে,  
জপে দোনে যা।  
ভালো-বল লিলু যাবে,  
ভালো দোবে যা,  
কাই মাজে মাজে যাবে  
ভালো লিব যা।  
মাঝে কোমার নৌই তুলনা।

শিকালাভ  
মৌমিরা নছৰ

শিকাম পেতৰ জাপে  
নৈ কেন বিজাপ,  
কৰি যে হাতোঁটী জীবন  
হিয়ে বিস্তৰ।  
শিকাম উজানকলা কৰে  
বাজে শিকাম কৰে  
খেল কুলে অসুলিপে  
কৰেই শিকালাভ  
গৱাঞ্চ শিকালাভ  
এসৰ শিকালাভ।  
শিকালাভ কৰে শিকালাভ  
নৈজে দেখেৰ কৰা  
শিকালাভ 'শিক' শিকালাভ  
শিকালাভ 'শিক' শিকালাভ  
শিকালাভ 'শিক'— শিকু কৰেই  
শিকালাভ কৰেই শিকা  
শিকালাভ কৰেই শিকা।  
কেও কলে কৰ— 'শিকালাভ' কোক  
শিকালাভ কৰেই শিকা।



মূলৰ বালো  
শাহজাহান আলী

মূলৰ মূল আৰ মূলৰ মূল,  
মূলৰ বালোৱেই মোটো।  
মূলৰ মূল আৰ মূলৰ মূল,  
মূলৰ বালোৱেই মোটো।  
হিয়ে বাজেন নথিৰ কলালাভি,  
বাজেৰ তিৰ জোহৰি।  
অপৰাধ কল বালোৰ আপন,  
আপনৰ আপন কোটি।  
বাজেৰ কলে কৰা, বিভিলোৰ কলে কৰা,  
কেৱার আৰ পৰে।  
মূলৰ টীকিৰ আৰ মূলৰ ছাই,  
কেৱার কেৱা আৰে।  
আৰি এৰি,  
আৰি এই বালোৰ সহজ  
আই বালোৰ পাই আপন।

## গোচৰ অনীম মুখ

শুধি আজা পাইবো দে,  
অনুভূতিৰ সঙ্গে লড়াতে।  
আহুসে ভৱণো ন,  
অনুভূতিৰ অভ্যর্থনেতে।  
    অৰি আজ যেকে বলি কথাবাবকে,  
    কৃতি নিয়ে আনন্দকে।  
    কৃতি নিয়ে আনন্দকে।  
এ জন্মে সহিল কৃত অভ্যর্থন।  
    পৰেৰ জন্মে কেৰ কোৱ প্রতিবাব।  
অনুভূতিৰ পৰ দেন কৃতকৰ জন্ম,  
    কৃতিৰ পাত জন্মে কৰেইলৈম কৃত,  
    কৃতিৰ পাত জন্মে কৰেইলৈম কৃত,  
    কৃতিৰ পাত জন্মে কৰেইলৈম কৃত।  
কৃতিৰ কৃত জন্ম দেন নিয়ে কৰেইলৈম,  
    কৃতিৰ কৃত জন্ম দেন নিয়ে কৰেইলৈম।

## দেশপ্ৰেম

### সেৰ ইস্রাবিল

দেশৰ জন্ম আৰা দেৱ প্ৰথা,  
    আৰে শুধি আৰে চিৰকল।  
দেশৰ জন্ম আৰা ধৰে,  
    আৰে চিৰকল আৰু ধৰে কৰে।  
দেশকে আৰা ভালোবাবা,  
    আৰে আৰে ভালোবাবা।  
নিকে নিকে আনন্দী, নব।  
    নিকে নিকে আনন্দী, নব।  
    নিকে নিকে আনন্দী, নব।  
আৰে শুধি আৰা হয়ে রাখে,  
    আৰে সেৱাৰ শুধি আৰু চিৰকল।  
আৰে শুধি হয়ে দেশপ্ৰেমিক।

## আমাৰ বাড়ি

মীলিমা মানুষ (পৰিচয়)  
মেটি মৰিলু—  
আৰাৰ মেটি ঘৰপানি  
বাবু জন্ম ছলাৰ, ছলাৰ, পৰ্বতি,  
শুধি কৰ্তা শুধি জোৰ  
জোৰ কৰ্তাৰ জোৰ  
উদ্বল প্ৰয়োজন—  
ঘৰীৰ কৰা পাহো।  
চৌটি-ৰ চৌটি-ৰ—  
সেৱাৰ জো মানুষনি  
বাবু জন্ম ছলাৰ, ছলাৰ, পৰ্বতি।  
কৃত নৰুক যাব দে কোৱ—  
পৰ্বতি নিয়ে দেৱ-বিজুলে  
পাহোৰ সুৰে দেয়ে ভাটিয়লি  
মন দে আৰু আৰু পালি-পালি।  
জীৱৰ আমাৰ জন্মেৰ সামৰ  
জন্ম শাপৰ পাহো—  
সেৱাৰ দে আৰু জৈন্ম চিৰকল  
মন দি ধৰত কৰো।  
সেৱাৰ আৰু আৰু নিয়ে  
কৃত সুৰ কুকু নিয়ে—  
শিই দে আৰি পৰ্বতি,—  
সেৱাৰ আৰু পৰ্বতি যা—  
শেই দে আৰু বৰ্ষী।

### আখাত মাসের কবিতা

মুর আলিব দাতা

শহী-কবর নিয়ে এসে আছি শহ—  
 অদ্য প্রাতে লিখতে হবে কবী শহ,  
 শহীন কবী কীর্ত কলে মে অকালে—  
 কিমে কিমে শহীন দুধ হল শহীনে।  
 পির কবরে যাও এসে কেটি যাও কেটী—  
 বেগে পেল কেলেকের মৃত্যুল কেলী।  
 বেগুন শীু জান, জেগুন বু জান—  
 নিষেন নিয়ে শুভে পেল পাতান এক জান।  
 কানকুন কারে এসে আরি কারী মৃত্যু শেষুন—  
 আরি হৈবে কানকে আরি পাতান কারকে গোলু।

### আখ সেলাম

অনিষ্ট রায়

কানকুনের সাত কেটি পাতি,  
 কারী পাতাৰ সাথ সেলাম  
 শুভ হত নিয়ে কোনোৱা  
 শুভ কুচু সুখে নুখুনু।  
 আৰী শীুন কীৰ্তি দেৱী  
 দেৱোকী আৰু শুলুকী হাবে।  
 জলুন কুচুন শুকি দীৰেু  
 শুকি কুচুনে কাহুক কাহুন।  
 অকালেকে উড়ি কাহুক  
 কেলুন কেলুৰ কীৰ্তি যথো।  
 'বাহুন' কাৰ 'সেলাম' কুচুযোৱা  
 কারী পাতিকুল কুরে সাত।  
 কেল ব কুচুৰ কাহুৰ ব বন  
 কেলুন কীৰ্তি পাতি।  
 কানকুনিকে অনিষ্টের জান  
 এৰ জায়ে কি ব পৰিঃ।  
 কানকুনের সাতকী ভাই,  
 কারী আৰকে সাথ সেলাম।।।

### রাখের মেলা

সৌতিক যোৰ

এক মে কিল কুচু কেলা,  
 কুচু কুচু কুচু কুচু।  
 কুচু কেলুন কুচু কুচুৰ  
 কুচু কুচু কুচু কুচুৰ কুচু।  
 কেটো কেত কুচুৰ কেটো কেত কুচুৰুনু  
 কেটো কেতুন কেতুন কেতুনু।  
 কেটো কেতুন কেতুনু কেতুনু।  
 কুচু কুচু কুচু কুচু কুচুৰুনু।  
 কুচুৰুনু কুচুৰুনু কুচুৰুনু।  
 কুচুৰুনু কুচুৰুনু কুচুৰুনু।  
 কুচুৰুনু কুচুৰুনু কুচুৰুনু।

## ଶ୍ରୀ ଏଲୋମେଲୋ ଅଭିଜିତ ନଥାର

ଅଧିକ ହି ପୁଣି ଯା ଅଦ୍ଵିତୀୟ  
ଦେଖିଲୁ ମିଳି ପୁଣ୍ୟ।  
ଯଦିକେ ଦେଖ ନିଜରେ  
ଏଥାର ହି ପୁଣି ପୁଣ୍ୟ  
ଏଥାର ହି ପୁଣି ପୁଣ୍ୟ—  
ପୁଣିରେ ଯାହାର କହେ ଦେଖ  
ଯେତେ ଯାହାର କହିଲା ନାହାରିଲା।  
ଏଥାର ହି ତୋର ଯାହାର କେବେ  
ପୁଣି ଯାହାର କେବେ ଯାହାର ଦେଖ  
କାହାର ପୁଣିରେ  
ଅଦ୍ଵିତୀୟ ନାହାର ନେବେ  
ନେବେ ଦେଖି ଯେତେ ଯେତେ ଯେତେ  
ଏଥାର ହି ତୀରର କହିଲା  
ଏଥାରେ ହାର ଯା ଯେତେ ଯେତେ  
ତିଥି କହି ନା, ଏଥାର ହି ପୁଣି ଦେଖ ଯାହା  
ଦେଖି ଯାହା ହେଉ ପୁଣିରେ କେବେ...?

## ଗୀତ ଅଭିଜିତ ନଥାର

ଆମେ ଯେବେ ଯାହାର ଏକଥାନି  
ଯାମ କାହାର 'କାହା' ନିଜରେ ଯେତେ କହି  
ଅଛିନ୍ତି ନିଜେ ସବୁ ଏମେହି କାହାର କହି  
ପୁଣି କାହାର ଦେଖେ ଯାହାର ଏକଥାନି  
ନିଜି କାହାର କାହାର ଏକଥାନିରେ ଯାହା  
ସମ୍ମରେ ନା ନିଜେ କାହାର ଦେଖାଇଲୁ କୁହାନେ ଯାହା।  
ଅଦ୍ଵିତୀୟ ଦେଖି ନିଜେ କାହାର ସବୁର ଏକଥାରେ  
ପୁଣି ଏବେ ଅନନ୍ଦେ ନେ ପୁଣି ନେ ପୁଣେ  
ପୁଣିରେ କାହାର ଏକଥାନି ଅଭିଜିତ କହି କହି  
କାହାର ଏହି କାହାର ଏକଥାନି, କାହାର ଏହି ନାହାରିଲା।



## ଆତ ଆର ଜାତିର ମିଳନ ଅଭିଜିତ ନଥାର

ଦେ ଯାହାରି, ଦେ ଅଧିକାରି, ଦେ ପୁଣିରେ  
ପୁଣିରେ ନିଷ ଦେଇଲା ପୁଣିରାନୀ।  
ଯେତେ ଯାହାରାରାର ନାହାରି ଦେ ନାହାରି॥

ଯାହାର ଦେଖ ଦେଖି ଦୀର୍ଘ, ଯାହାର ଦେଖିଲା  
ବସ ବସ ବସିଲା ପୁଣି ପୁଣିର ଏବେ ଯାହା,  
ନିଜି ନେବେ ପୁଣି ନେବେ, ନିଜିର କୁଳ ଯାହାର କହେ  
ନିଜି କାହାର ନାହି॥

ଯାହାର ଦେଖ ପୁଣି କାହାର, କାହାର ଯାହାର,  
ଯାହାର ଦେଖ ଦୀର୍ଘ, ଦୀର୍ଘ ନାହିରେ ଦୈର୍ଘ୍ୟ।  
କାହାର, କାହାର, କାହାର କାହାର କାହାରାର॥

କାହାର ଯାହାର ଏକଥାର ଯାହାର କାହାର,  
କାହାର ନାମ ଏକଥାର କାହାର କାହାର କାହାର।  
କାହାର ନିଜେ ନିଜର କୁଳେ କହି ଏହି ନେ କାହାରେ କୁଳେ  
କାହାର ନାମ କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର  
ଯେତେ ଯାହାରାର ନାହାରି ଦେ ନାହାରି।

### ପରିବାର ମୌଳିକ ଯୋଗ

ଅଧିକ କାହାର ଜୀବି,  
ଶ୍ରୀମତୀ ଅତିରିକ୍ତ କୃତି;  
ପରିବାର ଆଜ୍ୟ ସାହାର କାହା,  
ମୁଖ ଦେଇ କାହା କାହା,  
କେବି କାହା ଯା କେବି କରି କୃତ କାହା।  
ଅଧିକ କାହାର ଏକାକୀ ଜୀବି  
ଯା କାହାର କୃତ କାହା,  
କାହା କାହା କୃତ ଜୀବି  
କାହାର ଅତିରିକ୍ତ କାହାର କାହା।  
ଅଧିକ ଏକାକୀ କାହାର  
ଯା କାହା ନ,  
କାହା ଏକାକୀ କାହାର  
କିମ୍ବା ଯା କାହା ନ।  
ଅଧିକର ନିଯା କାହାର କାହା  
କାହା କାହା,  
କୃତ କାହାର ଅତିରିକ୍ତ କାହା  
କିମ୍ବା କୃତ ଅଧିକର କାହା।



### ପାହ କେଟୋ ନା

ଆମୁଳ କାନ୍ଦେର

ପାହ କେଟୋ ନ, ପାହ କେଟୋ ନ,  
ପାହ କେଟୋ ନୁ କେତୋ।  
କାନ୍ଦେର ଦେ କାହା କାହା,  
କେବେଳ ନ କି କେବେଳ।  
ପାହ କାନ୍ଦେର ପାହର କେତୋ,  
ପାହ କାନ୍ଦେର କାହା।  
ପାହ କାହା ଏଇ ପୂର୍ବିକୀ  
ଦେଇ କାହା କାହା।  
ପାହକାହା କୃତ କାହା ନ,  
ମେଥ କେବେଳ କାହା  
କ୍ଷୁଣ୍ଣ କାହା କୁରାତ କାହା,  
କି କୃତ କାନ୍ଦେଲିନ କାହା।  
କେବି କାହା କାହା,  
କାହା ନ କେଟୋ ଯା କାହାର  
କିମ୍ବାକେ କାହା କାହା।

সন্দৰ্ভ

**কাক ও কোকিল  
সাহিত্যিক সঙ্গে**

গায়ে কালে মূল ছিল  
মুনি বাজার নিম ছিল  
মুনের মূল ছুর  
মুনি বাজার সঙ্গে শুর  
কৌ, কোল কালে শৈয়া  
মুনকে মুনোর পোল  
অভিলিঙ্গ হাজের পাড়ে  
কাক পেটিল মিল করে  
সোলিল কালে শুরু কা  
কাক কালে কেখার পা।

**প্রকৃতি  
বিষাণু পোদার**

হের সঙ্গে শূরু হঠা  
সুর কারে টী।  
কাই দেখে বিষাণু করে  
কীরু মুনু টী।  
মুনি কালে শৈক হৈকে  
কেশ কেলজ কালজে  
পুরুষ জার কালন কান  
কালাল পথে উড়াবে।  
কালন কালে মুনি চাও  
ক হ করে বাঁচে।  
কালজ কালে মুনের কান  
কাজ কালী কালজে।

**পানকৌড়ি  
সাহিত্যিক**

পানকৌড়ি পানকৌড়ি  
পানকৌড়ি কা  
মিল পাড়ে কালে কেন  
ক্ষে সিলেয়া।  
কার কার নিয়েন কারি  
কার কারার কার কী।  
কারার কারার কার কীতে  
কাও ন কেন কা।  
কারার কারে নিমে নিক  
কারে কালে কারার কিঃ  
কালে কারার কারিয়ে কারে  
কারিয়ে কারে কা।  
কার কেরার কালে কারি  
কার কার কা।

**আশা**

পরা কোলে

কারি বিশেষ  
কারি কারে কীন কা।  
কারারাটা নিখনিকেবেন  
কারার কারা সেকেকারী কার  
কারা কীনে এই নিখেন  
কারবে কার কু।  
নিখক-নিখিল কীর কারে তকজন  
কারার কার নিষু কার  
কারি কারার কীনে কু।  
কারি শারি, কীরি, কৈ, কুরি  
কারি কার কারার নিখ।  
নিখক-নিখিকারে কেনে  
কারে কারার কার কু,  
কারিন কি কার কিক  
কারারে কারী কু।

**जीवन माने की ?  
सूखिकृष्ण रामलाल**

जीवन माने की ?  
नियु नियु चोपान रामही,  
नियु बदा, नियु दम,  
नियु धारे याव अधिष्ठाता।  
नियु दूर, नियु दर्शि  
दूर धारे याव अनी  
याव जीवन धारे येहि  
नियु धारे याव यह,  
नियु नियु धारा अधिष्ठाता।  
सूखिकृष्ण यह,  
दौड़ि धारे अधिष्ठाता।  
नियु दूर नियु अधिष्ठाता,  
याव नियु धारे अनी।  
नियु धारे दूराना  
याव धारे येहि धारा  
नियु धारा धारा,  
जीवन धारे याव  
अधिष्ठाता दूर अधिष्ठाता,  
धारे धारे याव यह,  
पूर्णिमा धारे नव अधिष्ठाता।



**गोदामेर प्रिया ग्राम 'राजवाडी ग्राम'**  
अधिष्ठाता रामलाल

रामलाल रामल रामल येह  
दौड़ि धारा धारा  
नियु धारा नियु धारा  
नियु धारा नियु धारा।  
  
राम धारा धारा धारा,  
अधिष्ठाता धारा धारा,  
सूर नियु धारा धारा  
दौड़ि धारा धारा।  
  
सूर धारा धारा धारा धारा धारा  
राजवाडी धारा धारा धारा।  
न याव धारा धारा धारा  
न धारा धारा धारा धारा।  
  
नियु-कृष्णिय सकाराती धारि नामानी  
अनुराम सूर धूमि ही, सूराम ही धूमि,  
सूर धारा धारा धारा धारा धारा  
नियु धारा धारा धारा धारा।

## निष्ठोडृग्देश महात्मा गांधी

दे लें तो निष्ठोडृग्देश किस राधे ही।  
विश्वास जह गुलि निस बस हम ही।  
जहाँ पर्याप्त लोक बसन निजे ना छिए।  
जहाँ जाने उत्तिरे इन बाहे नहर ही।  
एस एक लोक कहे—  
इति जाने गुलि निस बस घूमते था,  
ही जाने जाने जाने के बाबन न राख।  
जीवनभि जान भावाकृति कर बाहे निस,  
बाहोदीजा गुलि जान भावाकृति नहिन।  
जान जान जान जान जान जान जान जान जान,  
जै जान जान जान जान जान जान जान।  
जानिन जानि जीक जान जानोंका निस,  
निये जान जान जानोंका जानोंका गुलि जान।  
जीकजाने जान जीके जान जीके जानोंका जान,  
ही नियेके जान जानोंका जान जानोंका जान।  
जोनी जाने जानोंका जान जान जान जानोंका जान।  
जान जानोंका जे गुलिके गुलिका कर जान हो।  
जानोंका जी जान जी जी निस जानोंका जान,  
गुलि जान जान जान जान जानोंका जान।  
जान जान जान जान जान जान जान जान जान,  
जान जान जान जान जान जान जान जान।

सुखदानेर सुखति जान जान जानोंका जीकजान,  
जानोंका जीके जान जान जान जानोंका जान।  
गुली जान जानोंका जीके जी गुल जानिये,  
जानोंका जान जानोंका जान जानोंका जीके जान।  
मानाजाने जे जह चुटि जानोंका जानोंका जीकजान।  
जानूर्धन निये जानि निस जह गुल हो।  
जान निये गुलुर्धनोंके जान जानोंका जान जान,  
जान निये जह जेहा नाहों जान जानोंका जान।  
मानाजाने जे जह जाने जान जान हो जह जान,  
जीकिये जे जेह जह जान जानोंका जानोंका जान।  
गुलजे जान जानोंका जान जानोंका जानोंका जान।  
जोनेर नियेके गुल जिते जे जान नियेर जानूर्धन,  
जेह जाने जानोंका जी गुल जान जानोंका जान।  
जानूर्धन जी जानिन जानोंका जान जानोंका जान,  
जाने जान जान जान जान जान जानोंका जान।  
जानूर्धन जी जान जान जान जान जान जानोंका जान,

जिना जानेनी काया गुरे कि आपा ?  
कह नहीं सरोवर किना फल जाडबीड़,  
जारा जान बिने कहु गुचे कि कुपा ?

— ग्रामनिधि ०४

## পাখি ময়ুরের আনন্দেশ সেখ অক্ষয়চন্দ্র

পাখিয়ার মহুর একবিন সব পাখিকে নিয়ে কানের সম্পর্কে শোব-ওশের একটি  
গীটিভের আবোজন করল।

পাখিয়ার মহুর সব পাখিকে বলল এখনে সবাই উপস্থিত আছ তো, সবাই কখন  
তিথকার করে বলল হীৱা মহারাজ। আহা! তাহলো আজকের সভা চল কো যাক। সবার জাহানে  
মহুর, পীজাকে বিজাসা করল, বলল পীজা তুমি রাজের বেলার লিকারে যাও কেন, সিলের  
বেলার যাও না কেন? পীজা বলল মহারাজ সমি শূন্য ত্রাস যাকি এবং তোমে সেবকে পাখিয়া  
সেইজন্য রাজে লিকারে যাই। আহা! সেখ কেল বসো। এবার বজুন শালিক আর তফাই লিটিগ  
মিটিগ করে কেল। তোমাদের দুজনের জন্য আমার অন্য বছুরা একটু পাঞ্চিয়ে লিঙ্গার করতে  
পারে না। আবার তুল করে বাকতে পাঞ্চিয়ে মহারাজ। আমাদের কেবল কেন একটা অসুবিধা  
হব মহারাজ শালিক বলল। এবার পাখিয়ার লিটিগেকে বলল— লিটে তুমি সব পাখিয়ার সঙ্গে  
আবশ্যিক কর কেন? লিটে বলল হস্তুর আপনি তো আনন্দ আবি একসময় বকবিন চালিয়ান  
হিলাম সেইজন্য শুণানো অভেস ছাড়তে পাঞ্চিয়া। কাহি একটু আশু বগছাবাটি করি।  
কেবিল এবার তুমি বল তুমি অন্যের বাসার বাসো কেন। কেবিল বলল, অপৰাধ নেবেন না।  
মহারাজ অভি বাসা বাসাতে পারি না। তাহি সেকের বাসার বিষ বাসন করি। হিং হিং আমার  
বাসে যাব কোৱা বাসা বাসাতে পারো না। এখনি নিয়ে নিয়ে বাসা বাসাতে শেখো, তা বা  
হলে তোমার সামা মৃত্যুদণ্ড হবে। পাখিয়ার বলল সত্তা। বাসুইকে সেখে আমাদের এর হজুর  
উচিত। লিটে বলল, সত্তি বাসুই তালো বাসা বাসাতে পারে। পাখিয়ার বলল যাক লিটে  
তোমাকে আর এর হয়ে সাকাই পাহিতে হবে না। পাখিয়ার কোকিলকে বলল আজ থেকে  
বাসুইকে সেখে সব কাজ লিখবে তুমেছো কেবিল। বাসুইভের এই অসাধারণতাবে বাসা  
বাসানোর জন্য আবি আমার বাজের অর্থের অধিক তোমার নামে লিটে বাবো এবং আবি  
আমার বাজ সিয়োসম তোমার নিয়ে দেবে তো তাহি কাহি। আর তোমাদের প্রত্যেকের বাসাৰ একটি  
করে হাতিকেনের বাবুষ্ট করে দেবো। এই কথা তনে বাসুই আমাদে আবহারা হবে খেল।  
পাখিয়ার বলল, আহলে আজকের আলোজন এখনোই সমষ্ট কো যাক।

## রাহস্যের ছৃত

নূর আমিন মওলা

যেটো সেলার আবি টেক্সুলার মুখে অনেক কৃত্তোর পর চলেছি। অন্যান্যের জায় থেকে গড়ে নাকি অনেক ছৃত সেৱা দেত। তার বাস্তোর পর কৃত্তোর অবসরে দাঢ়িয়ে পশ্চিম লিকে একটি বাজা বাল যাই যেকে কেনেকিং অসেল বজে শি শি করতে করতে যাও। অশ্বামের লিকে জলে দেত। অগোর কথেও কৃত্তোর পুরুষের যাহ বারে কৃত্তে দেত। কৃত্তোর কাঠের মনুষ রাজের বেলা ঘোর বাহিরে দেখোকে কর দেত।

এখন একদিন অবসরের পাশের ধারে একটি বিলী সামুদ্রিক অণ্ডামানের আহোমের হাতেছিল। কেলকাতা থেকে বজা নিলী সেখানে পথ করতে আসেন। এই পথে তারে আহোম করেকজন বন্ধু এবং আবি সেখানে যাবতার বকলার পাইলাম। বিষ্ণু মৈই অণ্ডাম সেন হতে জোর দেয়ে যাবে তান দেখে কর করল। অন্তুও আহোম সক্ষাতে পেরিয়ে পফলাম। সেখানে অণ্ডাম সেব হলে কোলকাতা আহোম যাতের ধারে দিয়ে পাঢ়ি পিপুলি। এখন সুর্মের আলো দেখন দেখেন্তে দেশ আলেছি অবকাশ। এখন সবু আহোমের ধারে জোর নামে এক বন্ধু বকল হতে যাব। সূর তাকিয়ে দেখ সবু পাঢ়ি পথে কে মনে হচ্ছে যাবে, কৃত্ত নাহাব। আহোম আহোম তাকিয়ে দেখলাম সহিত। সবু পাঢ়ি পথে কে যৌব যৌবে যাবে। আহোম ধীরু ধীরু করে দিয়ে বকলকে লাঙ্গিয়ে পফলাম। অবসরের ধা দিয়ে বর বরে যাব দেখোকে দালাম। করে মৃপ দিয়ে কুকু দেখোল না। আহোম মনে হচ্ছে আবি সেখানের লিকে কৃত্তি পাহারি। আহোম কৃত্তোর পুর্ণি মজো কৃপ করে লাঙ্গিয়ে রাইল। পিকুল নৰ সক করলাম সবু পৰা কৃত্তো দেশ অনেক সূর একটি দেখে। হাঁস এবং কৃত্ত নানু বকল, দেখে দীরু আবি কৃত্তোর মৃপ দেখে আবি, কৃত্ত কেমন দেখোকে হত। আহোম করে একা যেতে পিসি। বকলাম, তিক আহে সবাই এক সমে দিয়ে দেখুৰ, যা আহে কলামে। এই অভিষ্ঠি করে আহোম ধীরুকে তজ বকলাম। এখন সবু দেখলাম কৃত্তোর জায় বাহাকাহি হলে আসেছি। সাহে করে আবি কলাম, যা টেক্সুলা এত কোরে কেবার দালাম। আহোম করে তান কৃত্তো অবসর লাঙ্গিয়ে পফল এবং অবসরের লিকে কাকালো। কৃত্ত ধীরুকে পৰা মাহাই আহোম সূর কর পেছেবিলাম। বিষ্ণু মৈই অবসরের লিকে কাকালো আহোম আশৰ্প হয়ে দেখলাম। আহোম এককল ধাকে কৃত্ত সনে করে ভর করিলাম পিসি হাসেন কানেরে টেক্সুল। এখন আহোম একটি লো নিখাল হেঁড়ে পুনৰাবৃত্ত বকলাম, টেক্সুল আপনি এত কোরে বাজেন কোবার। আহোমের প্রথে টেক্সুল বকলাম— “আহোম নাড়ি আবি, কোটী সেৱের যেৱের পূর্ণ শৰীর বাজাপ, বক পেছেবি সকলে হাসপাতালে দিয়ে যাবে। আবি কৃত্ত নানু, সকলে দেখোকে যাবতো আবি পৌছাবো আবে ওৱা দেখিবে নকুলে, তাই আবি দেখবেলাই দেখিবে পচাহি।”

## প্রকৃত বন্ধু অক্ষয় কাহিনী দূরী

কাহিনীটি নামে একটি আদেশ নিষে, বাবলু ও অমিক থাকত। তাদের আদেশ খুব দুর্ঘাট ছিল। তাদের মধ্যে অমিক ছিল একটু শীঘ্ৰ পৰিচারের। কিন্তু অমিক খুব কালো দুর্জ ছিল তাদের। বাবলু তাদের মধ্যে একটু পৰিচারের ছিল। সে পরের কালোবল না দেখে আপে নিজের কালোবল দেখত। এইকে বিষম ও বাবলু দেখে আপগুলো পাতার হলে আজো দুর্জনে কিন কৰত কেবলুর আপগুল হবে। কিন্তু অমিক-কে কালো অমিক দেখে পাতার না পাতিলভিত আহোর সময়ের জন্য। অমিক দুর্জের তিলিনের পাতার যেকে কিনু পাতা কৰা কৰত। বিষম ও বাবলু একেন তিক কৰল সিনেৱা দেখেৈ। আজো দুর্জনে অমিককে কলন— “অমিক আজ আপগুল সিনেৱা দেখতে যাব। তুই যাবি!” অমিককে খুব কালো গুৰি অমিক উত্তোল কলন— “যোৱা যাব!” বাবলু, বিষম ও অমিক সিনেৱাজে সিনেৱা দেখতে যাইল, সেৱিল ছিল পৰিচার। আজো সেৱিল খুব অলস বৰেছিল। এমন সময় বাঢ়ি দেৱাৰ পথে দুটী গোকৰকে রাজুৰ দেখাৰ কথন কৰত ১০টা বাজে। বাবলু বলল, ‘এখন মিষ্টাই কিভাবাপৰা।’ অমিক হাঁচিৎ বলল উত্তোল ‘কৰে যাব পাতা, কিভাবাপৰ আপাদেৱ লক্ষণ কৰে আপাসৰ হয়ে।’ অমিক, বাবলু ও বিষম তিলিনকু দুটোকে ধাকে এবং দুই কিভাবাপৰত আহোর আপগুল কৰে দুটোহে। হাঁচিৎ বিষম উত্তোল দেখে আপগুল পাড়ে গো। তখন কিভাবাপৰ তিলিনকে হাতোৱ আপগুল পেয়ে ধৰে নিল। অমিক কিনু খুব শিঙে দেয়ে বলল— ‘বাবলু, কিভাবকে ধৰে নিয়োহে।’ বাবলু বলল— “ওকে হচ্ছ আপন পাতা সিনে পাতা।” একবাৰ বলে বিষম আপ দেই। কিন্তু অমিক গোল না। অমিকের হাঁচিৎ একটী দুটি উলিক হল, সে দেখল আপত আপৰ আপ একটি ধাতা আপা পাড় আহে। অমিক প্রথম দুটিকে আপৰত দুটোকে দেখে আপত কৰে নিল এবং সে দীৱোৱ আজো তঙু দুর্জেৱ অপ বিহীন বাটিৰ নিকে আপসৰ হয়ে জাগ নিয়ে তাকে টাঁকা কৰে বিষমকে উত্তোল কলন। দুই দু চম্পতি ছিল। বিষম দুৰ্জেৱ সময় যে বন্ধু পাতে ধাকে দেই হল প্রকৃত বন্ধু।

“বিষমেৰ সময় যে বন্ধু পাতে ধাকে দেই হল প্রকৃত বন্ধু।”



বন্ধু যাবি হাতে আও,  
বোঢ়ি হও কৰে।

— লিখিৰ পত্ৰ

## বৃক্ষ রোপণ (একটি গান্ধ একটি প্রাণ)

মানিক পাল

**তুমিকা :** বনস্পতির দে পরিবেশ রক্ষার পক্ষে মূলভূল ও বিশেষজ্ঞার দীক্ষা। প্রকৃষ্টি বীর্জনী, এর সামুদ্রিক তাজা অপ্রতিমী। বৃক্ষরোপনের ভাইপর্য অসমাবস্থনের সময়ে মূলে ধার অথবা সরকারি এবং বেসরকারি ক্ষেত্রে বিভিন্ন কার্যকৃতী কাজ করা হচ্ছে। বিদ্যুৎ ক্ষেত্রে এই প্রকল্পটির সাৰ্বিকভাবে বাস্তুগতিক কাজ দেখে পাখে। এর অন্য প্রয়োজন সম্ভবতা ও বৃক্ষরোপনটির বাস্তুগতিপ দেখাবার অন্য আকৃতিক ফলাফল।

**সমাচাৰ :** ২০০৫ বছৰি বিৰ পরিবেশ বিদ্যুৎ মূল জোপন হিস— “পুরুষীয় ক্ষমতাবাদী পরিবেশ প্রকল্পক কৰা।” বিভিন্ন বৃক্ষরোপনের মধ্যে পরিবেশের আসামীয় দেৱাবে বিহুত হচ্ছে সে সম্পর্কে অসমীয় সম্ভোগীয় ক্ষেত্ৰ কাৰণোক। কার্তিকীয় ক্ষেত্ৰ পুৰুষীয়তে সুক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰী সম্পো ক্ষমতাবাদী। এই ক্ষেত্ৰে বে সমাজীয় ক্ষেত্ৰী হচ্ছে কাৰণ বাস্তুগতিক পুৰুষীয় ক্ষমতাবাদী অসমীয় পুৰুষীয় ক্ষমতাবাদী, তুমিকা, আবহাওৰার পুৰুষীয় প্রাণী।

**সমস্যার পত্ৰিকা :** এই সমস্যাপুলি দানি সমাধান বা কৰা বাৰ কৰে অনুমতি পুৰুষীয়তে আবহাওৰার অসমীয় পুৰুষীয় ক্ষেত্ৰী হচ্ছে দীক্ষাবে। বিৰে আশৰকাৰ অন্য অতি প্রয়োজনীয় অসমীয়ের সুবাসাহ একমাত্ৰ সুক্ষেত্ৰ মাধ্যমেই সকল। এই সম্মে অনুযায়ীক সমস্যাপুলি শো কৰিবোৱাই।

**সমাচাৰ :**

- ১) বৃক্ষ কৰিব বৰ্ষ কৰতে হবে আৰু পুৰুষীয় সুক্ষেত্ৰ কাৰণ জোপন কৰতে হবে।
- ২) বিভিন্ন চারাগাছ অসমীয়ের আবহাওৰ ক্ষেত্ৰী বাস্তুগতোৱে কৰে সালে। হোল— তুলনী, সৰ্বজনীন, সুসেৱণাৰ এবং মহাবাসী ইয়াৰি সামাজিকক সুক্ষেত্ৰীয়ে সামাজিক হচ্ছে।
- ৩) বিদ্যুৎৰে আশেপাশে বৃক্ষরোপণ কৰতে হবে এবং বৃক্ষরোপনের নিক লিয়ে কৰা নকৰ কৈতে হচ্ছে।
- ৪) গান্ধ কাৰ্মিকীয় অসমীয়ত প্ৰশংসন কৰে এবং অসমীয়েন আগ কৰে এবং সকল আবহাওৰ অসমীয়েন প্ৰশংসন কৰে এবং কাৰ্মিকীয় অসমীয়ত আগ কৰি কলে পারম্পৰাক কাজোৱা বাজাই দাবে। কিন্তু গান্ধ কৰিব কলে এই পারম্পৰাক কাজোৱা বাজাই পৰ্যাপ্ত দেখা দাবে কলে অসমীয়ের ননা জোল-বাবি দেখা দাবে এবং অসমীয় সমস্যাৰ পড়তে হবে সকলে সুক্ষেত্ৰীয়ে পুৰুষীয়ে সুক্ষেত্ৰীয়ে সকলকাৰ।

“কৰ বিজয়ৰে কেৱল গুৱাম সুন্দৰ হৈ প্ৰকল্প শৰ্প”

## ପାନୀୟ ଜଳେର ଅପଚ୍ୟା ରୋଥ ମାନିକ ପାଲ

ଆମଙ୍କେ ଜୀବନେର ଅଭ୍ୟାସକ୍ଷତିର ଉପରୁଦ୍ଧରଣର ମଧ୍ୟେ ଆମ ଅନନ୍ତର । ଏହି ବିଜାପିତ ଏହାଠି କଥା ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ଆଛେ । ଆ ହଳ "ଜଳେର ଅନ୍ତର ନାମ ଜୀବନ ।" କିମ୍ବା ବର୍ତ୍ତମାନେ ଆମଙ୍କେ ବିଭିନ୍ନ ଉପର ବାବଳେର ପାନୀୟ ଜଳେର ସମ୍ମାନ ଦେବେଇ ଦାରୁ । ବିଶେଷତ, ବର୍ତ୍ତମାନେ ଆମେମିକ ସମ୍ବାଦେ 'ବୃଦ୍ଧ' ଜୀବନକାବେ ଯେତେ ଯାତର ବାହୁଦର୍ଶତ ପାନୀୟ ଜଳେର ଭାବିତ ଦେବେଇ ଏବଂ ଆମଙ୍କେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ରାଖା ନିର୍ମାଣ ନାହିଁ ଉପରର ବାବୁ ହୁଏ । ଆମେ ଦୂରିତ ପରାର୍ଥର ଉପରୁଦ୍ଧରଣ ବିଶେଷ ଆମେମିକ ମୂଳ ଆମ ବାବହାରେ ଆମେ ଦୂରିତ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହୁଏ । ଦେବ ନିର୍ମାଣ ବାବଳକାରୀ ହାବ ନାମ 'ପ୍ରାକୃତ ବିଜିତ' ନେଇ କାହାରେ ପାନୀୟ ଜଳେର ବାହୁଦର୍ଶତ ବାବହାର କରିବେ ଆମେ ମାତ୍ରାଟ ହୁଏଇ ।

ପାନୀୟ ଜଳେର ଗୁରୁ : ପାନୀୟ ଜଳେର ପରାର୍ଥ ଉପର ଟୌରିଜନଙ୍କ । କିନ୍ତୁ ବର୍ତ୍ତମାନେ ବାବଳକର ଦୂରିତ ଓ ଅଭିଭିତ ଜଳେର ବାବହାର ଏହି ଟୌରିଜନଙ୍କରେ ଦୂରିତ ଥିଲେ । ଯାତେ ବର୍ତ୍ତମାନେ ବାହୁଦର୍ଶତ ପାନୀୟ ଜଳେର ଅଭାବ ଦେବ ନିର୍ମାଣ । ଟୌରିଜନ ଦୂରିତକୁ ଯେତେ ଉପରେ ଉଠି ଆମଙ୍କେ ସମେ ସମେ ହୁଏ ଉଠିଲେ ଦୂରିତ ଏବଂ ବାବହାରେ ଅନୁପର୍ଯ୍ୟ୍ୟ । ଏହି ବାହୁଦର୍ଶତ ପାନୀୟ ଜଳେର ଭାବିତ ଦେବେଇ ବର୍ତ୍ତମାନେ ।

ପାନୀୟ ଜଳେର ପାଇୟାନୀରଙ୍ଗା : ଉତ୍ତର ପାନୀକାର ଦାରୁ ସମ୍ମାନ ଆମଙ୍କେ ବାହୁଦର୍ଶତ ପାନୀୟ ଜଳେ ସରବରାହେର ପାଇୟାନୀର ସନ୍ତୋଷକାରୀ ମୂର୍ଖ କରାଇ ଦୂରିତ ଉପରେ । ପାନୀୟ ଜଳେର ଉପରୁଦ୍ଧରଣ ମଧ୍ୟେ ଦୂରିତ ପରାର୍ଥର ଅନୁପର୍ଯ୍ୟ୍ୟ ପାଇୟାନୀର । ଆମ ଦେ ପାଇୟାନୀର ହାବ ନେଇ ପାଇୟାନୀର ଯାତେ କରିବାରେ ପରାର୍ଥକୁ କହ ଯା ନେଇକେ ମୁଢି କରିବେ ହାବ । ଅନୁପର୍ଯ୍ୟ୍ୟ ଏବଂ ମନୁଷ୍ୟଙ୍କୁ ତାର ପରାର୍ଥର ସବ୍ୟାକାର ସନ୍ତୋଷକାରୀ ମୂର୍ଖ କରା ପାଇୟାନୀର । ମନୁଷ୍ୟ ସନ୍ତୋଷକାରୀ ମୂର୍ଖ ଓ ସରକାରେର ମୂର୍ଖ ନିର୍ମାଣ ବାହୁଦର୍ଶତ ପାନୀୟ ଜଳେର ଅଭାବ ଦେବ ଉତ୍ତର ପାନୀକାର ଉପରେ ।

"ଶିକ୍ଷା ସମାଜେର ମଧ୍ୟେ ଶାଯୋଜନୀୟ  
 ପାଇୟାନୀର ଘଟାନୋର ଏକମାତ୍ର ଉପାର୍ଥ ।  
 ଶିକ୍ଷାର ମାଧ୍ୟମେ ଆମରା ସମାଜେର  
 ଅକାଳ ଅକ୍ଷକାର ଦୂର କରେ ଦିତେ ପାରି ।"

— ଡ. ମର୍ପିଲୀ ରାଧାକୃତ୍ୟ

নবজন  
চার্চীন দে

একটি শব্দ হিল সৌই আবে হিল এক পর্যায়। সৌই চার্চীন নিজের কেন করি বা আবেগ বলতে অনু একটি শব্দ হৃদে থাব। সৌই চার্চীন নাব হিল করিব। সে সেখনকার রাজাৰ থেকে তব কৰত। সক্ষিত এবং কাজ দৌ কৰাবন। আজো লিন কাটিত কৰাবে। কিউনি গৱ আজোৰ একটি পূর্ণতাম অস্ত্রহৃদয় কৰল। কাজো সজ্জামেৰ নাম লিল নাম। নামনেৰ ধাৰ কাজ আৰ জোগাতে পুৱাহিল না, অৰ্থাৎ আজোৰে পুৱাম বাধা হৈবে রাজাৰ থেকে আৰ খেল না। সে বাঢ়িতে মাটিৰ পুতুল বানাতে লাগল। রাজাৰ নিজেৰি ছাড়াই। আৰ রাজাৰ বকুৰ হিল আৰ এলাকাৰ বাধা বাঢ়িতে বা অনু কেনেছানে কাজ কৰালৈ আবে আৰ আসেন নিকে হৈবে। লিঙ্গ বজ্রন কেন আলে না নিয়ে মাটিৰ পুতুল ধানিয়ে বিকার কৰতে তজ কৰে এবং দে পৰনা পুতুল বিকি কৰে পাই তা নিয়ে হেলেৰ অধি সু বিসে আনে। লিঙ্গ হাঁড়, একদিন সেৱালালিনী নিয়ে রাজা আৰ রাজু পুতুল কোলো। সে সেখল দে সকিতেৰ ছী পুতুল টৈতি কৰেহে। তাই সেখে রাজা আৰ বাঢ়িতে এসে বলল কাৰ বকুৰ এইসৰ কৰাহ। খাইৰ বলল কাৰে বকুৰ নিজেৰি সহজেজ। রাজু বলল, দে বা কৰে আপো আৰাকে আৰাহ। সে বলল, মহারাজ আৰৰ ভূল হৈবে নিয়েহৈ। মহারাজ আৰৰ একটি পূৰ সকলন আহৈ। মহারাজ বলল, আৰি কোৱাৰ শাপি নিয়ে পুৱাম কিম জোৱাকে আৰি সাবধান বলে নিয়াম। লিঙ্গ বিদীৰ্ঘৰ কেষী শবি একই তুল কৰে আৰি কাকে যাব কৰব না। আৱশ্য থেকে আৰ সুখ জীবন-বাধন কৰতে তজ কৰল।

(অসু পথে ঝোঁজাত কৰাৰ থেকে, সব পথে ঝোঁজাত কৰে সুখে আৰু কোলো।)



শাপি এথিয়ে আসে, সেৱ উপহার।  
ও দেন কমিষ্ঠা মেহে হৃদালী আৰাহ।

— নবজন ইসলাম

## के तूमि ? सन् लिखि

आज जब नव “सन् लिखि”। अबि राजनीति निष्पत्तिकोने (डी. पी.) द्वारा नाम बेपिल  
विजय-ए-एव छाडी।” आज यह अबि राजनीति बेकोरामी नवचलाया। आजने ताके एक वा  
एकलिक लोकल अभासों लिखिलेखिके लियाक बरे तूमोहे। ते अमाके शुद्ध विषय करो।  
अबि लिखिले ताक लियू छाडाते लाग्विले न। अगलातों छी बाह्यते न्यायेन अबि ताक लियू छी बाहे  
छाडावे। ते आसे रोक आसे। बाहे ताके बाबे ताव से आसे। या ताके बाक तामुँ से आसे।  
सबही ताके बाक तामुँ से आसे। अबि लेहे बीज ताम से आसे। अबि ताम शाढ़े तीन तामव  
से आसे। ते शासन अभास अभेषास थाके। अबि लेहे बीज ताम तामिह तामुँ से आसे।  
आज लियू छाडेनि। लियू ते एक आसे न ताक याहे ताक नक्ता-नक्तीताव आसे। अगलातों छी  
बाहाके नामेस से हो। से हो “खादा”।

ताक जब यानेविया, देखू ईदानि कठ ताहारे बोग छाड़ा। एव याक घेके लाल उपार  
आइ।।

- १) सबही लिये परिवेशके परिवाह-परिवाह बाहके हावे।
- २) बाहिर अभेषास, अनातो-कनातो जल बाहते देखो यावे न।
- ३) बाहिर अभेषासों नवी, शुद्ध, जोहू ईदानि परिवाह बाहते हावे।
- ४) अर्थात अभासों यानेविया उडी, नाईवार ईदानि बीजाकक न्याय लिते हावे।

अहो लिखि उपार आहे। सबही यवि एकल नियम घेने चले तावे अभास शावो एकी  
त्रोपूत शुद्ध परिवेश।

अजो अनेक पेक्षा-मात्रक आहे याक लिखि ताकावे बोग छाड़ा। येवस— याहि। एव  
नक्ती बालो बोग छाड़ा।

“तूमेव याहो बाहे देखो भालो, किंतु ये बाहे अपिये तावे ता आवाव भालो। कावाप  
सेही बाही तोवाके तावावे लोहे देव।।”

—ए. पी. डॉ. अमूल कालाव

## শিলা অলিভিয়া সামুদ্রি

এই বিশুল নিখের অনেক দেশে কলা করতে পের গীবনে পৌত্রনাথ তার সঙ্গেও একটি আক্ষেপ করলে করে দেখেন। অজনকে জন, অসমকে দেখেও জনহ হনুমের উভয়। এই নিখে অজনকে জনের জন এবং অজনকে জনের জন সমুদ্র পেছিয়ে পড়ে দেশের বিশুলের অসমত-কলাত। কলে অবসরের অসমের অভিজ্ঞা হচ্ছে তাঁর সমুদ্র।

গীবনের সুনে এই পাত দৈনন্দিন গীবনের একক্ষেত্রে মনুষের মন দখন অবসর তথ্য সমুদ্র দৈনন্দিন অক্ষরের জন্য মনে ধারণের অসম উপলব্ধি করে। অধৃৎ অন্যান্য আবস্থার জানের অসম্পূর্ণ অভিজ্ঞান কিন্তু হলে পূর্ণ করতে পারি। দৈনন্দিন ধূর একই গীবনবাজার নিখের বছ করে রাখলে অবসরের মনে সামুদ্রিয়া এবং মানবিক জীবন সৃষ্টি হয়। কলে অসমের অভিজ্ঞা ও তথ্য গীবন সমুদ্রের।

গীত ধূর গীবনের পুটিতে শিলা-এর অসমের পুটি অসম অসম পুটিতে অসম হচ্ছে আছে। পরিচয়ের সঙ্গে দেখাতে যাওয়ার অসমীয়া সকলনের একটা আলাপ গো এসে দেয়। অবাক প্রতিদিন দেখেই শিলা-এর পুটি অসম একটি অসমীয়া বিল। শীরিকে জাবা ঝুঁ করে সুন্দরি আছে বিশুল শিলা পাহাড়, অসমিকে সুন্দু ধানবাহন পিলে পুটি হলোহে আবসরে দ্রুণ।

গীবান্তি নিয়ে উপরিতে করে শিলা করবা হচ্ছে। সুন্দু মাঝ ১০৪ লিখি। হিমালয়ের এই প্রশংস্য রাজাৰ মাঝে নিয়ে পুটি মন পুরুষের বসে যেকে প্রতিক্রিয়া দেওয়াত্মক অনুভূতি আবাকে প্রতিক্রিয়া করল। যার নীলী শূর ঘেকে তেৱে অবসর এই শূর— সুন্দু অবসরি নিখুল-প্রতিক্রিয়া।

অনে পড়ে যেল 'শেখের বকিয়া' উপস্থানের কথা। কেননা এই শিলা-এর রাঙামাঝী ধূর পুরুষ অভিজ্ঞ জাহ আৰ আৰ সাবলোৱ মেনিৰ পাঠি। এই রাঙামাঝী তক হয়েছিল 'শেখের বকিয়া' উপস্থানের সেই মোহোনিক দেয়। এই ক্ষমাপনি তিক্ত করতে কৰতে পোঁয়ে দিয়েছিলেন শিলা-এ। শিলা-এ যা সেখলাব যা হাতো আজ আৰ বলে পেৰ কৰা যাব না। শী নোই। পৰৱেৰ একলিক জাহৰ পৰাঢ়। অসমিকে শিলা শিলা শাহাতোৱ যা দেখে নিয়ে অসমে জোৱা কৰিব। তেৱে অজ কাহি— শিলা ও বিশুল। যাকে মাঝে প্রয়োগেৰ বালকীতে এসে প্রতিৰ জনকে পুরুষে বনে পড়ে যেল এই অনুই হাতো অভিজ্ঞ ধূরের অসমেৰ মন পুকে শিয়েছিল অলো অবসরে অসমীয়া। প্রয়োগ সাবলোকে বলেছিলেন অসম পাঠি হচ্ছে নীলী এপ্পো, দেখোৱ পাঠি হচ্ছে নীলী এপ্পো।

অনে কোটি মোটি পুটি নিয়ে এপ্পো দেখোৱ শিলা-এর লিখে। তেলি বীৰেৰো সত রাজা নিয়ে পাহাড় ধূর নিকে কোটি প্রয়োগিক, মাঝে উপরিতে কাজাল মীল আকাশ অৱ পাহাড়ের অনুর কল ধূর নিয়েৰে প্রতিক্রিয়া কৰে। এটি হিল শিলা-এর স্বত্ত্বে ডে View point। কুই শিলা-এর ধূর

এসে দিনিয়ে অনুর্ব সৌন্দর্য মিয়ে বিভূতিত হওয়া শিলা পদ্মো। দেশবাস করো কেটি হোটি খড়ি এ  
নথান।

কালুর নিকের সৌন্দর্য উপরের বরে সেমে সোজা তল দেশবাস শিলা-এর পদ্ম কেরো।  
যতক্ষণ জো যাব কালুর দেন সুন্দর কানো কুকুর অভিন সন্দৃ। কাব বহু চৰি-এর দেশবাস যত  
কালুরদেন কোড়। কোড়ে দেশত কুবতে পারদাম না কুন সুভিনিয়া কালুর দেশে বিহু মিয়ে কাব  
নাম কানো আভাসেরে উপরাব মিয়ে গোহো। কীভাবে শেখ হাব তো একটি শিল।

সেই শি শিলা-এর কাব দেশপুঁটি। হৃষ্ণের পারাপুর কালুর দেশ কালুরালু কানো  
মিয়ে পাড়ি করে দেশে দেহে উপকোগ কালুরালু সুন্দর শিলা দেশকো। পৌর দেশের  
দেশপুঁটিতে দেশানে ততু পুঁটি আব পুঁটি। পারাপুর কোল কুরে কাব দেশপুঁটিকে দেবে মনে কালুর  
দেশপুঁটি দেখ কাব কালুর দেশের কালুরালু হৃষ্ণের। সামে রামের অনুম কুল। কোলপুঁটি দেখে  
দেশে নিভিজেজাতি। এ এক সুন্দরি দশ। কালুর বখনে পৰিষ দেশ কোল কাব ন নিভিতি হাব এ দীক  
পুর পুরেনি এই কুলে। এই কুলের কেটি একটি কাল এ পুরিত কুলে কালুর কুলে কালুর হাব  
দেশের অধিবাহ নেই। এই কুলের এক নিষেপত কালুর দেশের কালুর কালুরি কুল। তা হল সন্দৃ  
পদ্মার দীর মিয়ে রামকেন্দুরে নাম কুল, যা হারো কাব সাথে কুলনা কুলে হুলে না। দম কুলে  
যাব কালুরি। সুন্দর সৌন্দর্য দেশে।

শিলারে দেশতে দেশের কুল দে সাত সুরো দিন কেটি দেশ কা কুলতে পুরাম না। একাই  
পাড়ি দেশের পুর। শিল সুন্দর কুল কুলে দেকে দিয়েছে শিলা-এর কুল পুঁটি। যা আজও আজকে,  
উপরিত কুর। সুন্দর সৌন্দর্য এ এক কুলের কাব কুল দেন আবকে অনুত কুল কুল।  
পুরিলালো, কুল দেশুল দেশ। বনীর সৌন্দর্য, দেশের অশুল সন্দৃ আবকে পুরিতে দিবকাল পুরিত  
হুব আবকে। আবকে এ কুলই কুল—

"কুল আবকালে আবকেলে কুল—"



*Like the baseless fabric of this vision,  
The could-capped towers, the gorgeous palaces,  
The solemn Temples, the great globe itself,  
Yea, all which it inherit, shall dissolve;*

—Shakespeare



କୁଳ ଅନ୍ତର୍ଭାବ ଏଇମାତ୍ରିକ ପରିବାର ଏବଂ ଉପରେ ଦେଇଲା, ଯାହାର କୋ ଆଶାକାରୀ କୁଳ ଉପରେକୁ କଥା କରିବାକୁ ପରିବାର କିମ୍ବା ସମ୍ବନ୍ଧିତ କାଳରେ କୁଳ ଏବଂ ଜୀବିତରେ କୋ କାହା ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ ବଳ ପାରି ବାବିଲା।

ଏହା ମନେ ଥିଲା କବର ପାଇଲା ଯିନ୍ଦ୍ରିୟର କାଳର ବେଳେ ଶୁଣ୍ଡିଯାଇଲା ତାଙ୍କର ଦେଖେ ଦେଖିଲାକୁ ଅଛି କାହାର କାହାର ଏହା ଶୁଣ୍ଡି କିମ୍ବା କାହାରା ? ତାଙ୍କ ଆଶାକରିବା ହେଲା ଏହା ଏହା କାହାରା ଏହା ଶୁଣ୍ଡି କିମ୍ବା କାହାରା ? ତାଙ୍କ ଆଶାକରିବା ହେଲା ଏହା ଏହା କାହାରା ଏହା ଶୁଣ୍ଡି କିମ୍ବା କାହାରା ? ତାଙ୍କ ଆଶାକରିବା ହେଲା ଏହା ଏହା କାହାରା ଏହା ଶୁଣ୍ଡି କିମ୍ବା କାହାରା ? ତାଙ୍କ ଆଶାକରିବା ହେଲା ଏହା ଏହା କାହାରା ଏହା ଶୁଣ୍ଡି କିମ୍ବା କାହାରା ?

कृष्णगीतः शिलाल ।

କାହାରେ କୁଳ ଏ ନାମକଣ୍ଠି ଲାଗି ଥିଲା ।

Necessity, who is the mother of invention. - Plato (Greek Author & Philosopher in Athens (427 BC- 347 BC))

## “আমার এই পথ চাওয়াতেই আনন্দ”

শিলিয়া মওল (জু. নিখিল)

পথের শেষে পথের কৃত। এ-পথ চলেছে ধর্মাদেশ-বাসে-বহুবাসে। এ চলার শেষ নেই। কখন যে বাবা কর হচ্ছিল কে বাবকে পারে। রাজনৈতিক চলাচিল— সৌই বেস কালে, কে জানে। কখনও চলেছে। তাই কো বাবো পাবো বাবো, সূর্যের পথ করে নতুন পথ পাও। তেবে যেকে আমের, আমে যেকে আমের। শুরু সহজ অভ্যন্তর পারের ঘাস একে নিয়েও এ পথ। যেমন লিল তার সুরে কৃত শক পূর্ণ ছিল। কর পুরুষের সাথী এই পথ।

সূর্যপথের সৌই সবচি এই পথেই সেনেহি— রাজনৈতিক। যেখে পড়েছে, আজও পাত্র অনেক লিখুই কালে যাবো। নতুন কেন লিখু কেনে নিতে প্রয়— প্রথম কেন একটু বেবুন কালে। কীসে কীসে যাবে যাব। কানের সিজে, সময়ের সার্বিতে পরিবর্তন অবিবৰ্ত। করু পাল্টে গেলেও কেলে আসা শুণি— সূর্য— ভবিষ্যত ভাবী কালকে সেনার সৌই কথা— “হোৱাৰ নতুন কৰে পাবো বালে, যাবাই, আগে-পথ।”

দেখতে দেখতে আবাসে সূর্যের দোলির কাহে কবু পাহাড়ী কুক কৃত হচ্ছে। রাজপথের ভাঁজে যাবে উঠু করে দীর্ঘিরে যেকে কলে— ‘কো আবার যাবো হোৱাও বড় হ’। যেহেতু যাবে সুজু পথা সবেজে এখ সূর্যে কমলকীপা সুজু হচ্ছা। আসুল কাহিকে কৰিনি আবার করে কলেহি কো সূর্য শেকে নিতে। পাহাড়ে সব আসুল কহি সারিয়েছে। হেলের কল এখনও টের পাবানি। যতের সিজে কমলকীপা করে কানকানি।

আবাসে সূর্যের আবাসে একটী বৰাল পার ছিল। বৰাল হচে পেরিনি। নকরান্তে বাহির পাশে পুরু। যাবো সূর্যল দেশোৰ সবু পুরুতে বল পড়ো। পাহাড় পথে হেলে দীর্ঘিরে যাবাবো ক-পা, অলে সূর্যল হোলা। সেবিৰ সেবানি কে পৰ নতুন শিক্ষক-শিখিলা বনুন্তে বনাইলেন। কে পুরু, এখন বাহি-কোজো। হাতু পানি কৰিন অলে সুজুলীৰে যাব তুমুৰ যাবে কুস পথা কল পাহিল। লিখু যাবে কাল কুকুকু লিখু। লিখুৰে আবে নিখুৰ জালা। পাহাড়ী এখনও টেজে আবে। প্রাপ্তব্যার্থ, তি, সূর্য কঠি-কলুব। কো কো বৈশ্বনাম ছিল। পাহে প্রাপ্তি উঠে— আহ, লিখু, হচেক যাবে সূর্যে-ফলে পাবিন গানে য ছিল সূর্য, আগামী নিন অল কলান্তে কা হচে উঠে কোলাহল। আসুবল যাবে কোথাকা। ধাকনে ধক কেলি সুজুব-সুবিলি সৌর তো আসুব পেৰে রাখিবে। আসুব চেয়েও বালৈ কো— সজাহার আজাবে, আজপতি। এ যাবার শেষ নেই।

কে-কলাত এইটি বি'র পথ যেকে টে আকলে লো সুরসুলে পুরিবেজ কলা যেসে এখনও সেয়ে আসে রাজনৈতিক অশ্বপথের লিলে। লিলটু লিলি হচে যাবে শিখিল পোহৈ। কো যাবে কোথাকা। সবিশেবিল যেকে সন্মু, পুরিলি কি এক্ষুণি এলে কল আৰা যাব না? তেবে দেখে আব কি।

"ଆଜାମାନୀଟି ମନୀର ବନ୍ଦରେ ହାତ କରିବାକୁ ଦେଇ । ଲକ୍ଷ୍ମୀ ବିକେଳ ଘରର  
ପାମର ମନେ, ମୁଦ୍ରାର ଅନ୍ଧାରେ ଆମି ଦେଖିବେ ନାହିଁ ବି— ଏହାକି ଏଣେ ଆମାର ମନେ— 'ଫି,  
ଫେର— ମୁଦ୍ରା, । କଲାକାଳ ତିକ୍ରିତିକ୍ରି । ଏହାହି ଏକବେଳେ ଏହା ବ୍ୟାହ କରିବାର । ଏହାହାରେ ଏହା—  
'ଏ ହୋଇ, ବେଳାକ ସବୁ ବୁଝି ମନେ ଦିଲ୍ ଯିବ ନିରାକାର ମନେ । ଆଜାମାନୀଟି ଏହା ବାନ୍ଧାନ, ସାରାମା ଲିଙ୍ଗି,  
ବିଳା ମୁଦ୍ରା ହୋଇ ଶାତାର ଅନ୍ଧାରୀ ଆମାନୀଟି ଆମେ ।

"କରିବାର କିମ୍ବା— କାହାର— ଏ ମୁଦ୍ରା ପରିଚୟ ହାତ— କେବଳ ମୁଦ୍ରା ହୋଇବା  
ମାର୍ଗରେ ହେ, ମୁଦ୍ରାରେ ଆମି ଆମେ ଏହାହାର ବନ୍ଦରେ ହେ । ବେଳାକ ହେଲି, ଏ ବ୍ୟାହରେ ମୁଦ୍ରା  
ମାର୍ଗରେ ହେଲି ଏହାହାର ବନ୍ଦରେ । ବେଳାକ ହେଲି ଏହାହାର ବନ୍ଦରେ ହେ । ବେଳାକିମ୍ବାରି କେବଳ ମୁଦ୍ରା  
ମାର୍ଗରେ ହେଲି, ବେଳାକିମ୍ବାରି କେବଳ ମୁଦ୍ରା ହେଲି । ଏହାହାର କରିବାକୁ କହିବାକୁ ବାବୁ—  
କରିବାକୁ ବାବୁ— ଏହାହାର କରିବାକୁ ବାବୁ— ଏହାହାର କରିବାକୁ ବାବୁ— ଏହାହାର କରିବାକୁ—  
ଏହାହାର କରିବାକୁ—

"ବେଳାକ ହେଲିବାକୁ କରିବାକୁ କରିବାକୁ ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ କରିବାକୁ—  
ମୁଦ୍ରାର ହେଲିବାକୁ କରିବାକୁ ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ—

"ବେଳାକ ହେଲିବାକୁ କରିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ—  
ମୁଦ୍ରାର ହେଲିବାକୁ କରିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ—

"ବେଳାକ ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ—  
ମୁଦ୍ରାର ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ—

"ବେଳାକ ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ—  
ମୁଦ୍ରାର ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ—

"ବେଳାକ ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ—  
ମୁଦ୍ରାର ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ— ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା  
ହେଲିବାକୁ— 'ଏ ହେଲିବାକୁ—

"ବେଳାକ ହେଲିବାକୁ— 'ଏହାହାର ଏହା ମୁଦ୍ରା ହେଲିବାକୁ—

## আমাদের নেপাল ভূমণ বিক্ষন সরকার

শীঘ্ৰতাৰে প্ৰথমেই আমাৰে নেপাল বৰ্ষ হিৰ হল। সেই প্ৰথম প্ৰদৰে আমাৰ অধিৰ অন্ধে যেতে উঠিলাম। তাৰি প্ৰদৰে তচক আপ আমাৰ স্মৰ্তি কৰতে পাৰে নি। আমাৰ ২৬/৪/২০১১ বাবিলৰ মুকুট বৰ্ষৰ বৰ্ষা হলোৱা ও মুকুট বৰ্ষৰ সময়ৰ হাতিগাঁও টেলিশনে প্ৰেলাম। সেখান থেকে আমাৰ সিৰিজ টেলিশন থেকে গ্ৰেনে উঠিলাম গ্ৰেন বিকেল ছিটাই সময়ৰ হাতিগাঁও। আৱশ্যক আমাৰ গ্ৰেনে সিৰিজ কাৰ্যৱাহ উঠিলাম ও আমাৰে বিনিসপৰ্য রাখলাম। কাৰণপৰে নিম আমাৰ বিকারে 'বৰ্ষোৱা' টেলিশনে রাখলাম। সেখান থেকে ভাৰত সীমাত পাৰ হৈয়ে আমাৰ নেপালে চুকে পড়লাম। এৱশ্যক আমাৰ নেপালে প্ৰেল কৰিব পৰি সেপলাম। কাৰণপৰ পঢ়ি কৰতে যাবোৱা পৰি আমাৰ কৰত ১১টোৱ সময় 'পোকোহ' নামে একটি যোগিলে উঠিলাম। আৱশ্যকেৰ নিম আমাৰ সেখানে একটি বিনিসে পোকো ও নেপালীভৰত পৰিবাৰে সংজ্ঞায়েৰ একটি বিনিসিয়ান প্ৰেলাম। এৱশ্যক আমাৰ একটি কৰিব ও নেপালেৰ 'সঁৰা' নীৰীৰ বৰফ কৰত জল দেখলাম। কাৰণপৰ নিম সকালে আমাৰ যোগীনোৰ বিলাম এৱশ্যক বিকালে একটি গোকে গোকে। আৱশ্যক নিম আমাৰ নেপালেৰ হাতাহানী কাঠিমানুভূত কাৰ্যৱাহ কৰত কৰোৱা হলাম। এৱশ্যক ১.৫০ বিনিসিট পঢ়ি চলার পৰি 'অনুভাৱনা' বিনিসে যাবোৱ কৰা একটি আহাৰার গোকে। বিনিসিটি পাহাড়েৰ অনেক উপৰে একক বোগৰয়েতে যোতে হৈল। বোগৰয়েতে গোটোৱ সময়ই আমাৰ সেখলাম। আমাৰেৰ মীঠোৱ থেকে একটি নীৰী বৰে যাবোৱ। কাৰণপৰ আৱত্তে আৱত্তে উপৰে গোটোৱ সময়ৰ নানাবৰ্ষণেৰ পাহাড়ী গো ও মুকুলগুৰু সেপলাম। পাহাড়েৰ অনেক উপতোকে বঢ়ি হিল। বোগৰয়েতে বিনিসি পাহাড় প্ৰেৰণৰ পৰি আমাৰ বিনিসে পৌছালাম। সেখানে গৌৰে আমাৰ অনেক লোক লালিঙ দেখলাম ও সেই সামৰে মোহুলাম।

এই বলাসেৱ, এই বিনিসে মনোৱ বিষু কৰিব কৰলো তা শুল হৈ। লোক লালিঙে বঢ়িয়ে অনৈৰ্ব্ব হৈয়ে দোলাৰ। কাৰণপৰ অনেকক্ষণাবসৰে বেলিৰ দৰ্শন সেখানে ও আমাৰ কাৰ্যৱাহ শুলে কৰে গোপৰয়েতে মিৰে এলাম। সেখান থেকে ২.৫০ কোটা পঢ়ি আমাৰ পৰি আমাৰ নেপালেৰ হাতাহানী কাঠিমানুভূতে পৌছালাম। সেখানে যোগিলে জোকোৱ মূৰ্ব একটি গোকৰ বিনিসে চুকলাম। সেখে আসে হল বিনিসিটি অনেক শুলোৱ। নেপালী কাৰ্যৱাহ নাম আৰুৱাৰ সেটিৰ নাম আৰু আমাৰে শুলোৱ। সেখান থেকে শুলো শুলো দেখা দেল ও পাহাড়েৰ উপৰ এক সুৰ শুলো দেখে আলক



हड्डे हल। बारपर अमावस्या पक्षपत्रिनाम भवित्वे गोलार ओ देखान घेके निवेद नर्तन करे गाउँको  
निवेद एलाम। एके एके बढ्दोखडी, नीजाहि इदाहि भवित्वे देखानार तार नर्तनि सहानु घेये नना  
आवाहार भुज्जाम।

उत्र नर्तनि अमावस्या बाल्देवेटि नामे एकटी आवाहार देखिल। अमावस्या शरीर बालान  
धबाहार अवि ओ एकटी आकृ झोटीले छिलाम। नाम्देवेटि विशेष उत्तम शुभ एकारोटि देखा याह  
पितृ देखानार धबाहार एकारोटि देखा याहानि। उत्र नर्तनि सहानुको देख नारे याहारार अमावस्ये  
झोटीले जान घेके एकारोटेर लियू अप्स देखा देख। देखि निर्दि अमावस्यार वार्षील निये  
एलाम। अमावस्या 'बरम भालि' नामे एकटी आवाहार देलाम। देखाने अमावस्या देखेके उत्पत्ते  
हले एकेहिलाम। यस्त भालि नामे हल देख देखेके देख। अमावस्या भुज्जाम घेके गाउँका उत्तर विरे  
देख चलाते नाथल। अप्सालाल विरे योहेक अमावस्या क बर्दनक देखाना क बर्दनक देख बालान  
अनुठिते गाउँको अप्साल तल देख जाप्सामार देख घाने हल।

४.५० समय अमावस्यार विस्तारे रातोले लेहालाम। नर्तनि १५.०० विनिटे ट्रिमे उत्तम एवं  
नर्तनि १८.०० समय ट्रिमे घेके नाम्दाम। ट्रिमि दारे बाटि विरे एलाम। बाटि देखार गर अमावस्या अन  
विभूतिल जोहालेहि रारे देख।

## অতিলোকে শান্তি

শফুর সাউ

অনেক অপেক্ষ করা। একটি দেশে একটি পৃষ্ঠা আছে হিস। সেই রাজার নাম পৃষ্ঠা অবজার্ভ করা দেখি হিস। একবার তার বাসে একটি ফোলাম গাই একটি গুড় খেয়ে দেখ। রাজা দেশে সেই প্রতিটিকে দেখে দেখে এবং প্রতিটি মহিলাসে পৃষ্ঠা পৃষ্ঠায়ে দেখে পাওয়ে। একটি মেটে থাক, অন পরিয়ে থাক। তখন রাজ নিজের দেশে হিস ন। অন দেশে কেজোকে নিয়েছিল। রাজা যখন নিজের দেশে নিয়ে দেশে কেজ ন করে থাকিয়ে দেখে অন পরিয়ে দেখে। রাজার সঙে মূলৰ সুরী বাবুক। একটির বাম সুরী আর একটির বাম নিয়ে। অল পুরণের বুরো পেয়ে সুরী বাবু, অরজুজ অবজার্ভ কো অনেক বড়ে জাতের দীপ আছে। অনেক বড়ি শামুকদীপের পৃষ্ঠা কল নিই। নিয়া বলল শামুকদীপের কল নিলে অবজার্ভ কী থাবে। তখন মহারাজা বলল শামুকদীপের কল নিলে অবজার্ভ কী থাবে। তখন নিয়া বলল মহারাজা আবুরা হাতে তার কর কান সুব নিয়ে দেখে, সুজ বলল আবজার্ভ দেখে কো অনেক ধূন আছে অবজার্ভ কী করব অবজার্ভ কুন নিয়ে। নিয়া বলল ধূন রক্তান্তি করে কল নিয়ে অবজার্ভ করবে। নজু বলল, শামুকদীপা কো না দেখে আজ থাকে। নিয়া বলল, কিনু নি ন দেখে আজ থাকে ন। মহারাজা বলল তিক থাকে, নিয়া পুরু একে একে দেখে কেজে সুব ধূন ধূলে নও। তিক আজে মহারাজা। তখন সুজ থামে নিয়ে একটি পরিয়ে কুন টেক্টুরে বলল, মহারাজ সুব ধূন নিয়ে নিয়ে শামুকদীপ কী থাবে। সুজ বাজারে টেক্টুরে সুপতে থাকে। তখন কুন টেক্টুর মহারাজের পরীক্ষা নিয়ে আছে এল। কুন টেক্টুর নিয়ে সেজে আছে এলে। মহারাজের কাজে নিয়ে বলল মহারাজ আবজের নিয়া নিল শিশু ধূন নিন। বা জুল নিন মহারাজ বলল আবজের কাজে জুল কা ধূন কো নেই। কুন টেক্টুর বলল, এটি কো ধূন। এটি ধূন না পাপোর। কুন টেক্টুরে ধূকা দেবে বাহিতে কেব করে নিলো। কুন টেক্টুর বলল, কেব কুব কুভি হয়, কেব নু কাবজের নিয়ে শাবচের হাতে থাক। নিয়ুক্ত গুরু সুব ধূন আবজের হাতে গোল কুব মহারাজ কুকের বাহার থাকে থাকে গোল। তখন সুজ বলল অতি নোবের শান্তি পৃষ্ঠা।

“বে মানুষটা বলে, আমার শেখবার নেই, সে বরতে বসেছে; বে জাতটা বলে আবজা সবজাজা, সে জাতের অবনতির নিন অতি নিকট, যতকিম বাচি ততকিম নিবি।”

—শামীলি

## শিল্পীর পরিচয়

### সরবেশ পর্বত

প্রতিটি সাধারণ মনুষের মনে যেমন আশা থাকে, তেমনি শিল্পী মনুষেরও মনে আশা থাকে মনুষ বিনু শৃঙ্খল। এরা সাধারণ মনুষের মধ্যে একটু অল্পতর মনের। সকলের মধ্যে এরেক সাধারণ মনুষ রয়ে থাকে সাধারণে পৃথিবীর মুক্ত। কেউ একজনও সেই শিল্পীরা কেবলোর সময় অন্তরে তার নিজী মনুষের পরিচয়। কেবলই তার পদ্মা নিয়ে বিনাকে তার কানের শৃঙ্খল। তনু মেঘে পাহি দে কি দৈত্যী বাণে কি শিল্পী হওয়া যাব। বাতু শৃঙ্খল পথে শীৰ্ষ উপরে করে দেওয়ে আহে আন্দের সহাই কি সরুন স্বাক্ষর পাব। কেউ এসের কি আগিয়ে হোসে, এসে আগিয়ে কেলার কাবে আবশিকৰা আবারের হাতিয়ে গেয়ে বালোর আগিতে। কানুৰ, তুমোৰ, ঠাকি, পাহি, শৃঙ্খল একাধিক তার বড়ো পাশের শিল্পী। আজ কেনা-চেনাৰ বালোৱে নিলামে হজারে মনুষ কানের আনিষৎকৰণে। বিনে নিয়ে তার কাম বিনু শৃঙ্খল আহেৰ শৈলীন মনুষ। শেষে শতে থাকে সেই মান শিল্পী। একুশ শিল্পীকে আহেৰ স্বাক্ষর কিনা। আহেৰ আনেক শিল্পী আহে আনেৰ আবারোৱা নিয়ে এই মনুষগোষি সেৱাৰ কানুৰে, অভিনব আন্দোলে, মুক্তেৰ মাতা পরিয়ে। এজ বিভিন্নে শিল্পীতে নিতে হয়ে নিজেৰে বঢ়িত দুৱা। আন্দোল-অন্দোল বাজাবে কেননি আসল কা আহেৰ মূলে দেখি। তনুৰ মূল নিয়েই নাজাজাজা পরি স্বাক্ষৰণ। এই স্বাক্ষৰণ মনুষের কাহে লাখৰা। একজন গুজৰ দেৱন তার সূর শিকি কৰে পদ্মা পাৰ কেৱলি দুর্দিত মনুষেৰ দৰ হোৱে পদ্মা পাৰ। বিনু পৰাক কে স্বাক্ষৰ কা ধৰণি কোৱেনিৰাই পাবে বা বালোৱে মনুষেৰ কাহে। তনু ধৰণিৰ পরিচাই এসে পেৰ পরিচয়। এই আনোকোৱা নিয়ে দৈত্যি কৰে শৃঙ্খলি কিনিস, তারি আৰা সকলেৰ মাবে মুক্তেৰ আনোকে আনেৰ মেৰে কৰে কেৱিলো মোক আনেৰ মহাত্ম।



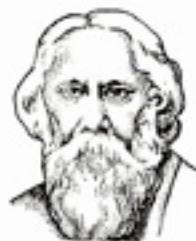
আৰতেৰ সমাজ আমৰ শিল্পীয়া, আমাৰ দৌৰনেৰ উপৰন,  
আমাৰ বাৰ্ধক্যেৰ বারাপনী।

— বিনুকোম্ব

## ত্ৰিপুরামেত্য সমিনষ্টিলি বিষ্ণু

একটি ঘোষণামূলক অভিযন্তা কাঠের মহাশয়ে একটি ঘোষণামূলক পৃষ্ঠা ও উভয় গুৰু সামৰ কৰিছেন। সেই ঘোষণামূলক রাজাৰ দ্বাৰা একটি পোশাহ হিল। এখনি সেই রাজা নিয়ে একটি মোক কাঠের মেলা যাইছিল। তিক কাৰ নৰেৰ লিঙ সম্বৰৱেৰে সবাই মেলৰ মে লোকটি আড় ধীকে পুৰুষ আহে। তখন সবাই কাঠল মে এই পুৰুষে গাহে ঘৃত পেটী ও কাঠেৰ রাজা ইপ্পোনোৱা বাস কৰত এবং এই কথাটি প্ৰাণোন্দেৱ ভদ্ৰিলোৱা রাজানোৱে কৰালেন। বিষ্ণুলি পৰে অভিযন্তৰে বাৰ্তালয়ে আসোৱা আৰু ঘোষণা কৰালেন। তখন সবাই অভিযন্তৰে মহাশয়ে কাৰ্য্যীলয়ে উপস্থিত হালেন। বিষ্ণুলি পৰে কাৰ্য্যীলয়ে উপস্থিত হালে। তখন অভিযন্তৰে মহাশয়ে সামৰাজ্যে বাললেন মে কেটি অবাকৰোৱা রাজেৰ একটি কাল পেটী আনতে পাৰেৰ কাকে আৰি ১০০ লিঙ আৰি লিঙ প্ৰাণোৱা এবং সকূত প্ৰক্ৰান্তি হৈল। তখন সবাই বহাললি কাঠেতে কাঠল বলি লৈৰে খাকি কৰে কো আৰি কোখে কৰো। তনুনি সামৰ মহাশয়ে পেকে পৰিষ হৰন্তী এসে বাললেন আৰি পাৰে। তখন অভিযন্তৰে মহাশয়ে বাললেন কেৱল জলাকি কৰালে হোৱাৰ মুহূৰ্মত হৈব। তিনি বাললেন আৰি এই পুৰুষে গাহেৰ ভালৈ পেটী আনব। আৰম্ভি সকালে কা নিয়ে সেখে আসলেন। তখন অভিযন্তৰে মহাশয়ে বাললেন, তিক আহে আহি হৈব। পৰিষত্বল্পী বাছুকে লিঙ পৰি কীৰি চোখ নিয়ে কাল পুৰুষে কাঠল। শ্ৰী বাললেন কি কাঠল হিল এই কাল কৰাৰ। পৰিষ বাললেন বলি পোচাৰা পৰা ন নহি কাঠলে পেচে ধীকৰণ কী কৰাব। সেই কাল পৰেৰ লিঙ অভিযন্তৰে কাঠে রাজন লিলেন এবং সেই পুৰুষে গাহীৰ লিকে অশোলেন। কীৰি তা তৈৰ তৈৰ বৰে বৰীপৰে কাঠল। তখন সেই গাহীৰ ভালে একটী মেলৰ লিলেন তখন ঘৃত, পেটী, টৈজা, কান, কাকল এবং পুৰুষেৰ রাজা ইপ্পোন্তা হাজিৰ হৈব। তখন আৰা বিজ্ঞাপ কৰল কেৱল শুনি এই ইপ্পোন্তা গাহীৰ ভাল কৰিয়ে। তখন পৰিষ হৰন্তী বাললেন আৰাৰ বাছুকেতে পুৰ অভজান, না দেখো লিঙ কাৰ আহি আৰি বলি এই একটী গাহীৰ ভাল নহি কাঠলে আৰাৰ সব ধূৰ্ম মূৰ হয়ে যাবে। তখন ইপ্পোন্তা কৰাল সংগীতি এ ধূৰ ধূৰী কৰন মে নিয়েই একটী কাল পেটী লিল। আৰ নৰেৰ লিঙ পৰিষত্বল্পী সেটা নিয়ে অভিযন্তৰে মহাশয়েৰ কাঠে বালেন এবং কালীৰি মেলালেন। তখন অভিযন্তৰে মহাশয়ে লিলৰ না কৰে পাহাড়েৱদেৱে নিয়ে লিঙেৰ কেৱল মেলৈন। একটী পাহাড়েৱদেৱেকে কাঠলেন গাহে উঠে ভালী কীৰি আলোৱা সামে মেলাও যো। তখন পাহাড়েৱদেৱে কাঠল, হাঁ অভিযন্তৰে মহাশয়ে লিঙে যাবে। তখন অভিযন্তৰে মহাশয়ে বাললেন বু, বু, বু। পৰিষ কোৱাৰ সামল বাটী। তখন অভিযন্তৰে মহাশয়ে পুৰকে

বিহু পরবর্তী ১০০ দিন অবি নিয়ে বিশেষ কথন পরিষ্কৃত ও কার কী দৃশ্য মূল্য। কথন পরিষ্কৃতের অভিব্যক্তি পেকে গোছে একলিঙ্গের মধ্যে কাটিতে হবে পরিষ্কৃত আবসেন হাতে উপকৰণ তো নেই। কথন তিনি আবার সৌই ইকাটিসেজের কাছে গোলেন। কথন পরিষ্কৃত বলসেন আপনি যদি আবারকে আবার পেকে ধন কাটিতে সহজে করেন, অবি আবারে আপনাদের জন্য কিছু করব। কথন ইকাটিসেজা বলল তিক আছে দুয়ি ১০০ টা কাটে এখানে রেখে রাখ। কার পরের নিস কামাক্ষেপলায় নিয়ে বলসেন আপনি যদি ১০০ টা কাটে সেন ভাসে অবি আপনাকে এক বজা ধন দেব। কথন সে ১০০ টা কাটে নিল। তিনি সেগুলো নিয়ে সেগুলো রেখে আবসেন। কথন ইকাটিসেজা দৃশ্যসে বলল, কোমরা কুন্দতলি কেটে কেড়ে পরিষ্কৃতের গোলার রেখে আসো। কথন কুন্দতলা কার রাজ্যের কথা কনল এবং ধন কেটে কেড়ে কার গোলার রেখে আসল। কার পরের নিস সবাবাবেলা সেগুলো ধন সেগুলো কার্তী কথন আবারকে এক বজা ধন নিয়ে আসল। তিনে এসে তিনি বাজা করাসেন এবং সৌই পাণী আবার ভালো হয়ে গো এবং ভগবত্ত আবেকে নিজের কাছে নিয়ে নিল।



রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

পক হাজার রাত্ৰি  
সেসাৱ জলে বাধ পড়ে না,  
খোলে না কেটি পাহা,  
অনাবাদিত ময়ু যেন  
দৃষ্টি অনাজ্ঞা।

— রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

## ଓଡ଼ିଆର ରହସ୍ୟ

ନନ୍ଦା ଦେବ

ବନିରାଜୋ ନିରକ୍ଷିତୀ ହୋଲାଇ କଣା ଧାରେ କୁମୁଦର ବାବ ବାବା-ନାନେର ଏକବାର କଣା ଶତନ ଦେ । ଏ ବନିରାଜୀ ବାଲିକା ବିଶ୍ୱାସରେ ଏକବଳ ମେଲିର ଘାଁ । କୁମୁଦର ସାଥେ ଉପରୀତେ ନିରକ୍ଷିତ କରନ୍ତେ ଯିବେ ହୀଏ ଏବଳି ନିରକ୍ଷିତ ହାବେ ଯାଏ । କାହାଙ୍କର ହାବେ ଧାରେ କେବା ବକ୍ଷଦେର କାହା ଯେକେ ଏହି ବରର ପେନାମର କାହା ବା ଅଜାନ ହାବେ ପଢ଼େବ । କୁମୁଦର ବାବ ହିଲେର ଦେଇ ଅବଲେର କଳାକଳ ଏକ ଧାରେ ବାବାଗାରୀ । କୁମୁଦର କାକା ବକଳାଲ ପୂର୍ବି ନିରକ୍ଷିତ କାହା ପେନେର ତରହାରେ ଓଡ଼ିଆର ରହସ୍ୟ । କୁମୁଦରର ମେଲ ହିଲ ରାଜରାଜେନ୍ଦ୍ରର ମେଲପୁରେ ନିରକ୍ଷିତୀ କୋନ ଏକ ଧାରେ । କୁମୁଦର ପିପିତାମହାରେ ବାଲା ହିଲ କାହାର ବାବିର କୁରୋର କୀତେ କେବା କୁରୁର ରାଜେ । କାକା କାହା ଧାରା ହିଲ ବାବାନିରେ ତାର ସମ୍ପଦିର ବାବ ଧାରାନ ଦେଇ ଓ କରିବା ଏ କୁମୁଦର କିମର ନିରକ୍ଷିତ ହେଲେଇ । କାହା ଧାରା ଅଭୂତର ହିଲ ନା, କରିବ କାହାର ଧାର କାହେଇ ହିଲ ବାବାନିରେ କୁରୁ । କୁମୁଦର ବାବ ଦେଇ ଓଡ଼ିଆର ନାନେର ଆଶାର ଦେଇ କୁମୁଦର ମହେ ଅବେଳେର ପାର ଯିବେ ନା ଆଶାର, କୁମୁଦର ବାବ ଓଡ଼ିଆରର ମୋହ ଆଖେ କରଦେଇ । ତାର କାକା ନିରୋଧନାର ଶରୀର କାହେ ବନିରାଜୀ ଯିବେ ଆଶେର ଆଜ ଯେକେ ହିଲ ବାବ ପୂର୍ବ । ଆହାନ ତିନି ଏଥାରେ ଧରେ ଧରନା କରେ କୁରୁ ଅର୍ପନ କରେନ ଏବା, ଏ ଧାରେଇ ଏହି ବକଳ କୁରୁକଳ ବାବି ନିର୍ଭାବ କରେ ବନାନ କରନ୍ତେ ଧାରେଇ । ଏହି ବାବିତେ ଏକ କୃତ ହିଲ କାହା ନାମ ନିରାଇ । ହିଲ କୁମୁଦର ନିରକ୍ଷିତ ହତରାର ଧିନର ଯିବ ଗାତରେ ପାର ଧାର ଯେକେ ଏବଳି ବରର ଆଶେ ମେ କୁମୁଦର ଲାଲ ଇହାନୀ ଶରୀତେ ଶିକ୍ଷାରୀ ଧାରେ ପାଇବା ଗେହେ । କାହା ଲିପା ଯିବେ ମେହେ ପାରାଟୋକିକ ହିଲା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ କରେନ । ଏହି ପାଇନ ମାତ୍ର ତିନେକ ପର ସୂର୍ଯ୍ୟ ପାଇନ ଯେକେ ହୀଏ ଏବଳି କୁମୁଦର ତିନି ଏମେ ଦେଇ ତିନି ପାଇଁ ଆଜିକେ ବଟେନ, ତିନିକେ ଦେବ ହିଲ—

ଶିଳ୍ପଶୈୟ ବାବ,

ଅମି ବେଦାର ଏକବାର କଣା କୁମୁଦ ଶିଳିତ । ଅମି ଧରାତ ସୂର୍ଯ୍ୟ ଶାଖିତେ ପାଇବାରେ କୁମୁଦର ଶରେ ବନାନ କରଇ । ଅନ୍ତରେ ବିଦା ଅମି ଏଥାରେ ଆହାର କାକାର ଶତନ ପେନେଇ । ଆହାର ଏବଳ ଶାଖି ଦେବାର ଉଚ୍ଚେ ନେଇ । କୁମି ଓ ମା ଶାଖିତେ ଥେବେ... ।

ଇତି

କୋରାର କୁମୁଦ

ତିନି ତିଟିଟି ଧାରା ଯିବେ ମେଲେ ପୂର୍ବି ବା ମେଲେ ତାକେ ଟାଟିଆ ହଲେ ବଳେ "ଅକଳାରୁ ଆଶି ନିରେ ଉପହିତ ଥେବେଇ ବୋ ନିରେ ମେହେ ପାରାଟୋକିକ ହିଲା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ କରେନେ । କାହାରେ

আপনি এই বাপ্পারে এত চিনা করছেন কেন?" আগজের জন্মে তিনি বাড়ি বিহুলে ঘৃত সেখার মধ্যে চমকে গঠন করে একস্থানে ভাই তরুণবাবুকে দেখে। তিনি আকে সুবক্ষয়ের কথা জিজেস করলে তিনি এমনভাব সেখান দেন যিনি তো নারোর কাটিকে আনেনন্দ না। যাই হোক তরুণবাবু তার বাইরে দেখি নিয়ে আর কোথা না করে তার নীর্ত চিলির বাপ্পারে নিষেধের ঘোষণা সময় ছীড়ান্তে জীবন কালিয়েছেন তা নিয়ে নান্দ কথা জিজ্ঞাসা করলেন। সেইস্থির রাত্রিয়ে তরুণবাবু তার দাদার বাড়িতেই বাকলেন। পরদিন সকা঳ে অরুণবাবু পাঁচ ভাইরে দেখে নিয়ে বাইরে ইয়াবেজিরে সেখান একটি তিটি পান শার খর্বীর হল— "ওপুরন নাচ করতে হলে তুমি শীঘ্ৰই আমারে পৈতৃক তিটিৰ উপরাংক হও। আমি বিনাম সিলাম..." অরুণবাবু কালিয়েস আর না করে তার ঝীলে কলকাতার ব্যতৰণাহিতে হোৱে পরিণি রাতেই অরুণুৰ একান্তের বৰে রাজন্মানে রক্ষণ দেন। সেখানে নিয়ে তিনি যা সেখানের আহো পাঁচ চক্রাংক হচ্ছে দেখে দেল। সেখানে তার ভাই তরুণবাবু তার মেজের কলালে বন্ধুক টোকিয়ে নীতিয়ে আহোর এবং তরুণবাবুর নির্মেলে তার মেজের লোকেরা অরুণবাবুক পড়ি নিয়ে চৌকে দেলে। তখন তরুণবাবু তার নামকে বলে, আমি নিষেধের হওয়ার পর তত্ত্বানন্দের অশোক করে তুমি বাপাকে সুভাসে বাসতে বাতা কর এবং আর কাছ থেকে সমস্ত সম্পত্তি তুমি কোনোর নামে নিবিহে নাও যাতে আমি তার ভাত না পাই। গোপনে তুমি বাপাকে সুভাসের টোকন পাইয়ে হচ্ছা কর। অথবা, আমি নিষেধের হওয়ার কান করে গোপনে তোমারে সমস্ত ব্যবাধিৰ রাখি। এমনীয়ে তুমি যে গোপনে তোরাই কালার কাজ করেছিলে তাও আমি জানি। আমার লোকেরাই কোমার মেজেকে ধো নিয়ে আসে। তার নামে সেখানে যি সাকেক পৰ আবা একটি মেজের কাশ সেখানে নিয়ে নিয়ে আপনি সুবক্ষয়ের আমাকাশক এমনীয়ি তার ঝূতা, যোৱা পরিয়ে দেখে আসি। আবা তুমি তাকে নিজের মেজে কেবে পাতালীকি হিয়া সম্পূর্ণ করে। নিম্নীয় যদি পুনিশাকে বাপার তোমার বাবা নিষেধ হওয়ার কথা বলে দেব সেই কামে তুমি তাকে খুন কর। তার আবার আমার কাহে আহো এই তিটি—। তোমার উকেশৈই হিল তত্ত্বানন্দে লোক পেশিয়ে গোপনে তার একটা মস্তা তৈরি করে আমাকে মেজে দেলা পিষ্ট তোমার সে তোর বৰ্ষ হয়। আসলে মৃত্যুবাল রাঢ়া আব কিউই নহ। তুমি আবা সহেও আমাকে টোল নিয়েছিলে যাতে আমি সেই সোজের বশবৰ্তী হয়ে সুভাসে প্রবেশ কৰি ও আমার দৃঢ় হয় এবা তার কলে এই সুবৃহৎ আঁশিলিঙ ৭ ১০০ বিলা আমি ও বাকের ২৫ লক্ষ টাকার করার করাই হিল তোমার দূল উকেশ। তাই তত্ত্বানন্দে যৈল পেশিয়ে তোমাকে এখানে নিয়ে আসে এবাবকার পুনিশাকের বাবা তোমাকে বন্ধি করিয়ে দেলে পাঠাব, যাকে সুজনের হচ্ছা কারার কান তুমি সুজালীয়ে কেলের ঘনি টেনে আও। তুমি ও বাপ্পারে নিষিদ্ধ থাকে আমি তোমার সুবক্ষয়কে বাবা না আমি তাকে তার বাপের কাহে পাঠিয়ে দেব। আবা আমি বাবী ঝীবনে নীর্ধন্যানে কাটিয়ে দেবো। আবাব পুনিশ অরুণবাবুর হাতে হাতককা পরিয়ে দেলে নিয়ে আভাস অন্য উকেশ নিয়ে আকে।

## বিশ্বের কুস্তদম

জীলা শান্তি

- বিশ্বের কুস্তদম অঞ্চলগুলির মধ্যে অন্ধকৃতিক অঞ্চলগুলি।
- বিশ্বের কুস্তদম অঞ্চলে যারে খেনিয়া বা আক্টুলিয়া রয়েছে। এটি গুরুতর হেঁট কুস্তদমের ৫.৫% কাল।
- বিশ্বের কুস্তদম দেশ ভারতিয়ান। এর আয়তন ৪৪ মেট্রো।
- সবচেয়ে হেঁট নদী ভারতীয় জিবন শহরের ছি। জিবন। এটি প্রতিষ্ঠান দুর্গ দেখে যাও প্রাপ্ত অঞ্চলগুলির পাইছে।
- বিশ্বের কুস্তদম সাল পর্যন্ত ভারতীয় উপস্থূতের সেপ্টেম্বরই দুল্লু বিলিমিটি সাল। পূর্ব বরফ এই সালের সর্বোচ্চ সৈর্প হতে পারে ১০.১% সেপ্টেম্বর।
- বিট্টের 'ৰী পুরি পুরি' হল বিশ্বের সবচেয়ে হেঁট পথি। সেবন এবন সর্বোচ্চ সৈর্প ৫.১% সেপ্টেম্বর।
- বিশ্বের সবচেয়ে পূর্ব অঞ্চলিক বনর হল ইন্দোচীন। উভয় প্রেত ও পশ্চিম ইউরোপের 'ওয়েস্টেন' বাণিজ্য বাসর ঘোষি। পূর্ব বরফ অবস্থা এবন একম ১.১ মেট্রো ৩.১% অটিল পূর্ব হয়।
- কুস্তদম জলে ইন্দোচীন 'পুরু হাতিশ'। পূর্ব বরফ অবস্থা এক ০৫-০৮ মেট্রো স্থান হয়। এবন একম ১-১ মেট্রো হয়।
- পশ্চিম ভারতে নিমিত্ত অবিকেন্দিত পাহাড় মূল সবচেয়ে হোটি। এর হাল ৫.৫৫ বিলিমিটি।
- ১৯৭৯ সালে সেবনলাগের নিম্ন নিম্নলোকের পাইক 'পুরী পুর বার্টু' সালে উচ্চী সবচেয়ে হোটি ছিল। এর আয়তন ১ ইকিল ১ মালত কাপের ১ বাল।
- বিশ্বের সবচেয়ে হোটি নিমিত্ত হল সেবনলাগের মূল উচ্চী পুরুটিল নিম্নলোক। এর আয়তন স্থান ০.১।
- নিম্ন পুরুটিল নিমিত্তিকা এলাকার এক স্থানটি পূর্ব পিলের বিশ্বের কুস্তদম সেবন সকলেন। এর সৈর্প ২.১ সেমি, পার ১.০ সেমি, এবন পুরু ১ সেমি, এবন ১.১ সেমি। এর পুরুটিল পরস্মৈ কলৰ ঘোষণা পালন।

## कम्प्यूटर का ज्ञान

कृषि ज्ञानार्थ (परिचय)

“कम्प्यूटर का निकाल”

कम्प्यूटर का निकाल में जीवन का अधिकृत प्रक्रम के द्वारा विकास करने के लिए कठोर ताके अधिकार का यह ना।

कम्प्यूटर का निकाल में जीवन का अधिकृत प्रक्रम के द्वारा विकास करने के लिए कठोर ताके अधिकार का यह ना।

जीवन का यह निकाल कम्प्यूटर का अधिकृत प्रक्रम के द्वारा विकास करने के लिए कठोर ताके अधिकार का यह ना।

जीवन का यह निकाल कम्प्यूटर का अधिकृत प्रक्रम के द्वारा विकास करने के लिए कठोर ताके अधिकार का यह ना।

जीवन का यह निकाल कम्प्यूटर का अधिकृत प्रक्रम के द्वारा विकास करने के लिए कठोर ताके अधिकार का यह ना।

जीवन की जीवन १—

१. COMPUTER-का नूत्र अस्ति—

C – Commonly (कम्पनी)

O – Operating (अपार्टमेंट)

M – Machine (परिषिक्षण)

P – Particularly (परिषिक्षण)

U – Used for (इकाइ का)

T – Technical (टेक्निकल)

E – Educational (एज्युकेशनल)

R – Research (रिसर्च)

२. जीवन की जीवन १९६५ वर्ष का अधिकृत का नाम है।

३. Keyboard-का अधिकृत नाम का QWERTY। यह की जीवन का समाज के उपर नीति वाले नीति का नाम है।

४. QWERTY की जीवन का समाज का नीति Christopher sholes (क्रिस्पर्ट शोल) १११) द्वारा नीति।

५. Typewriter (डायराइटर) समाज का जीवन की जीवन की जीवन की जीवन का समाज का नीति वाले नीति का नाम है।

६. जीवन Computer Mouse 1964 वर्ष Douglas C Engelbart (डॉलस डी. एंगेलबर्ट) द्वारा उपर नीति का नाम है। यह की जीवन का नाम है।

७. Computer Mouse जीवन MICE नाम की नीति है। १९६५ वर्ष The American Heritage Dictionary of the English languages (इंग्लिश लंग्युडिक्शन डिक्शनरी ऑफ़ इंग्लिश लंग्युडिक्शन) नाम का नाम का नाम है।

8. کمپنی ایکسپریس میلیون ڈولار کا بھتیجی میلیون، جس کا نام میلین کے نام سے تھا۔
9. پُرپرٹریٹ ڈیمک پروگرام کمپنی 1993ء میں CM-کے کمپنیوٹر پر ہوا۔ اس کمپنیوٹر کا نام Per Second-کے 131 میلیون کا نام سمجھا گیا تھا۔
10. کمپنیوٹر کا نام Bill Gates (بیل گیتس)-کا نام Macintosh Computer (ماکینٹوش) کے نام پر Designeo کا تھا۔
11. ڈیمک کمپنیوٹر کا بھتیجی ڈیمک ڈرائیور ہے جو 1979ء میں Seagate ہائیڈر ڈیمک 5 MB کا نام کیا تھا۔
12. کمپنیوٹر کے نام سے ڈیمک ڈیمک کا نام تھا کہ وہ ڈیم کیس کا نام [Ctrl] + [Alt] + [Del] Key کا نام تھا۔ اسی کی (Key) سے وہ ڈیمک کو ڈیلیٹ کرنے والے David Bradley (ڈیلیٹ ڈیلیٹ) تھے۔
13. ڈیمک کمپنیوٹر کا نام ہے پریمیم کمپنیوٹر 1986ء میں Farooq Alvi Brothers (فاروق علی بھڑی کا نام) Basit Farooq Alvi Amjad Farooq Alvi (کامپیوٹر کا نام علی احمد، عاصمہ کا نام تھا)۔
14. Internet-کا نام Licklider نیٹوکری (Licklider Network) کے نام تھا جس کا نام ڈیم کے نام سے کمپنیوٹر کا نام تھا۔
15. ہائیڈر انٹر نیٹ گالکسی نیٹوکری (Galactic Network) (گلکسیک نیٹوکری) کا نام ہے اسی کے نام سے 1962ء میں ڈیمک کا نام تھا۔
16. ڈیمک ہائیڈر انٹر نیٹ کو ڈیلیٹ کرنے والے Robert T. Morris Jr. (روبرٹ تی. مریس ٹھریڈ) کی ہندوستانی 6000 کمپنیوٹر کے کامپیوٹر کو ڈیلیٹ کر دیا۔
17. Internet-کا نام کامپنی Google کا نام تھا جس کے نام سے ڈیمک ڈیلیٹ کرنے والے ہیں۔
18. Google کا نام Google پر ڈیم کے نام تھا۔ اسی کے نام سے کامپنی کا نام ڈیلیٹ ڈیلیٹ (D) ہے۔
19. ڈیمک E-mail کا نام Website-کا نام تھا۔ اس کا نام ڈیلیٹ ڈیلیٹ تھا۔
20. پُرپرٹریٹ ایسا China ٹیکنالوجی کمپنی کا نام تھا جس کے نام سے ڈیمک کے نام تھا۔ China-کے ہائیڈر انٹر کامپنیوٹر کا نام ہے 36,00,00,000 کامپنیوٹر ہے۔ US-کے ہائیڈر انٹر کامپنیوٹر کا نام ہے 227,719,000 کامپنیوٹر۔
21. پُرپرٹریٹ ڈیلیٹ ڈیمک کے نام E-mail ڈیلیٹ کے نامی ڈیلیٹ رے ٹولیسون (Ray Tomlinson) کے نام سے تھا۔
22. ڈیمک E-mail 1991ء میں Space میں پہنچا ہے۔
23. سانچی ڈیلیٹ 160 میلیون E-mail ڈیلیٹ کی تعداد ہے۔
24. Computer Hacking (کامپیوٹر کمپنیوٹر کی سیستم کو کامپیوٹر کے ڈرائیور کا نام 1950ء میں ڈیلیٹ کیا ہے۔
25. پُرپرٹریٹ کامپانیوٹر کے نام پہنچا ہے۔ اس کے نام سے ڈیلیٹ کامپانیوٹر کا نام تھا۔

## সরাই চলো বক্তৃ-বাড়ি

মানস পাল (প্রযোজন)

অসমের জীবন পর্যায়ের কৃতিত্ব ও অভিমুখীয়। পর্যায়ের সহজে উপর্যুক্ত যাত্রা বিভিন্ন ক্ষেত্রে দীর্ঘ, প্রশংসিত আছেও কত কী। এসবই অসমের অনেক হাতিল শুধু করে, পূর্বীর অসমীয়া অসমের কাছে উদ্বেগিত হয়। অসমের অধীন, বিজ্ঞান আৰু বিভিন্ন ক্ষেত্ৰে নিজেৰ সেৱাৰ ফল কোথায়েন কৰাবলৈ কেৱল তা কোনোভাবে পৰ্যায়ের সঙ্গে অঞ্চল। বাস্তুতে সেৱাৰ, যাৰ জন্য সে পূর্বীত যতো সকল জীবনৰ দ্বেকে অসমৰ কৰণ উপস হুন্দা জান, পুড়ি। পুড়ি ও অনেক ক্ষেত্ৰে দীৰ্ঘ দীৰ্ঘ পুরুষ পৰ্যায়ে আছায়। পৰ্যায়ৰ বা পৰ্যায়ৰ হৃদ্দে আৰু আৰু।

পৰ্যায়ৰ বিভিন্ন ক্ষেত্ৰ হচ্ছেন ক. এস. আৰু, জনসাধাৰণ। পুৰুষ সহে পৰ্যায়ৰ বিভিন্ন পাঁচটী সূত্ৰ (Five Laws of Library Science) হচ্ছো :

- 1) Books are for use অৰ্থাৎ যদি ব্যবহারেৰ জন্য কৃতি পৰিকল্পনে রাখাৰ কৰণ নহ।
- 2) Every reader his book অৰ্থাৎ ক্ষেত্ৰে ক্ষেত্ৰে পৰ্যায়ৰ জন্য যদি ব্যক্তিৰ পৰ্যায়ৰে।
- 3) Every book its reader অৰ্থাৎ প্রতিটি পৰ্যায়ৰেই পাঠক আছে।
- 4) Save the time of the reader অৰ্থাৎ পাঠককে বড় কাহাতাটকি সহজ কৰাবলৈ কৰি বা তাৰ  
সহজৱাব কৰাবে হৈব।

5) Library is a growing organization অৰ্থাৎ পৰ্যায়ৰ হৃদ্দে ক্ষেত্ৰৰ ক্ষেত্ৰে ক্ষেত্ৰে যতো অৰ্থাৎ পুৰুষ সহে পৰ্যায়ৰে, ক্ষেত্ৰে পৰ্যায়ৰে আছায়।

অসম পৰ্যায়ৰ কি ক্ষেত্ৰ, অসমৰ কৰণ উপৰ নিৰ্ভৰ কৰে এৰ কাৰণতিনি। যেৱে—  
পৰ্যায়ৰ কেৱিলাম ক্ষেত্ৰে অৰ্থাৎ কেৱল ক্ষেত্ৰে পৰ্যায়ৰ ক্ষেত্ৰে সেৱাৰ পথে যাবে।

অসমৰ পৰ্যায়ৰ মূলত বিশ ক্ষেত্ৰে :

- 1) সাধাৰণ পৰ্যায় (Public Library)
- 2) শিক্ষালৈক পৰ্যায় (Academic Library)
- 3) বিশেষ পৰ্যায় (Special Library)
- 4) জাতীয় পৰ্যায় (National Library)

শিক্ষালৈক পৰ্যায়ৰ অসম হৃদ্দে অসমৰ পৰ্যায় (School Library)। একেন  
পৰ্যায়ৰ অসম আছে মহাবিদ্যালয়ৰ পৰ্যায় (College Library) আৰু নিষিদ্ধিলয়ৰ পৰ্যায় (University  
Library)।

অসম পৰ্যায়ৰ কাজ প্ৰধানত নিম্নলিখিত :

- 1) বই সংগ্ৰহ (Book Acquisition)

- ২) বই ক্লাসিফিকেশন / ক্লাশিফিকেশন (Book Classification / Cataloguing)
- ৩) বই রক্ষণাবেক্ষণ (Book Maintenance)

- ৪) কোন এবং সার্ভিসে বই সেবা পরিদেশ (Reference and Lending service)

অসম কলা হাস্তা পুর্খীয় জ্ঞানকালীন সমূহের কাছে নিয়ে আসে ধৰ্মগত বা কৃতি অসমীয়ার  
পিছিত করে তাই-ই নয়, অনেক প্রস্তাবনা নাহাই। বই পড়ে অসম অসম শব্দ কালৰ অসমীয়া  
অনুবোধসূ মনের পৰিষ্কার পূর্ণ কৰে। বই সেবক ও পাঠিকের মধ্যে সেকুন্ড কাৰে কৰে। দেখনীয় মনুষ  
অনুমতি দেবলৈ পৰাপৰার। তাই এই অসমীয়া পৰম বচু আৰু ধৰ্মগত দাস্তা বৰাবিলাসকৰে।

বৰ্তমান সময়ে অসমীয়া পৰীক্ষা উভয়েৰ সঙ্গে লক্ষ্য কৰিব বৈ, ধৰ্মসমাজ বৰ্ম ধৰ্মসমাজ বৰ্ম  
নিম্ন হাবে। তাৰ অসমীয়া কাৰণ প্রাচীন অৱগতিৰ ধৰ্মসহজ। বিজ্ঞান ও প্ৰযুক্তি সহজেৰ অৱগতিকে  
এগীয়ে নিয়ে যাবে তিৰিই বিষ্ট এই হাতা অসমসভাবা কোৱলিৰ এগীয়ে দেবে পাৰে না। সুটিলিৰ দে  
কোন কাৰ কৰতে দেৱে অসমীয়া বই-তেৰ সহজে বৰসৰ। এই সহজত ও ধৰ্মসমাজ সেৱাতে পাৰে  
অসমীয়া ধৰ্মগত বা সুটিলি। বই-বা নিবৰ একমাত্ৰ পাই-ই।

অসমীয়াৰ বিশ্বাসৰ ধৰ্মগতকে অসমীয়াৰ ধৰ্ম-ধৰ্মী সব অসমীয়াৰ কাৰণ উপৰোক্ত কৰে  
গড়ে কৃপাক হবে। বিশ্বাসৰ ধৰ্মগত ধৰ্ম কেৰে ধৰ্ম-ধৰ্মীৰ মধ্যে অসমীয়া সুটি কৰতে  
কৰে নিকল দহাল, নিষ্পত্তি-নিষ্পত্তি, ধৰ্মাবিদ-নিষ্পত্তি, পৰিদেশৰ সুটি, অভিবাব-  
অভিভাৱিকালৰ বিশেষ পুমিল নিয়ে হবে। ধৰ্ম-ধৰ্মীদেৱক এগীয়ে অসমত হাবে যাবে কলা বালৰ  
পাঠিকাৰ, পাঠিমূলিৰ পাঠিয়ে যে বিশ্বাস অসমীয়াৰ তাৰে অন্য অপেক্ষা কৰে আহু তাৰ সুব্যৱশ কলা  
কৰণ কৰতে পাৰে। ধৰ্মগতে জীৱত কৰে কৃপাক সকলৰ সহজত সহজত একত্ৰিত হোৱাবলৈ।  
তাৰিহ ধৰ্মগত কলা বৰ্তমান সমূহ ও পৰিবেশী হবে। যা অসমকলীনৰে বিশিষ্ট পুমিল ধৰ্মৰ কাৰণত  
পৰাবে মুখ মুখ থাবে।

বই অসমীয়াৰ বচু

ধৰ্মগত অসমীয়া

বচু-বচু,

এস পঢ়ি-পঢ়াই

সৰোই মিল

অসমক পিকু-ই বচু।

“কৃপাক সাবনা ও তপন্যা কালীত কৰনাই  
কোন মৎ ইত উৎবাপন কৰা যাব না।”

— বিজ্ঞানচার্ব জ্ঞানপুঁজি বচু

**मी-मी — १**  
आनुसूया कार्यक्रम सूची

- |   |  |
|---|--|
| १। विन अपराह्न नम चार,<br>आनुसूया कार्यक्रम<br>आपके अपराह्न नम विन चार चार<br>आपकी अपराह्न नम चार चार चार | २। विन अपराह्न नम,<br>आनुसूया कार्यक्रम<br>आपके अपराह्न नम चार, चार<br>विन अपराह्न नम चार।<br>(उत्तर : बाला) |
| (उत्तर : बाला)  |  |

**मी-मी — २**  
अद्विदेश संवाद / मूर आमिन मठुल

- |  |   |
|--|---|
| ३। विन अपराह्न नम चार, पृष्ठ चुम्पिल्प चार<br>आपके अपराह्न नम विन चार कारे चार<br>चार। | ४। एक अपराह्न नम एकटि चुटेला चार<br>एक विन अपराह्न नम विन<br>चेताने चुल चेतो। |
| ५। एक अपराह्न विक्कुटि नम चार चारही चार,<br>आपके अपराह्न नम विन चार चारही चार<br>चार।  | ६। एक चार चार,<br>अपराह्न चार चार।  |
| ७। चार चार, चार चार, चार चार चार,<br>चेताने चार चार, चार चार चार                       | ८। चुम्पा-चुम्पा चेतो चार चार चार<br>चुम्पक चेतो चार चार चुम्पक चेतो।         |
| उत्तर : १। जाला, २। Chai, ३। गोदाकार चार, ४। चेतानाला, ५। चार, ६। अमाड़।               |   |

**ହାମ୍ବାକୋଡୁକ  
ଆଧୀକ ଆଳି**

୧। ନାମ : ନାମ : ନାମ :	ଯଥ ଆଧି କାଳ ଯଥ ପତ୍ର ଲୋଗେ ଲି ଲିଖ ଆଧି ଫେଲ ଲୋଗେ ଲିଖ ଯଥ	ଯଥ : ଦ୍ୱୀପ : ଦ୍ୱୀପ :	ମନ୍ତ୍ର କାଳ ପତ୍ରରେ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପରେ ଦ୍ୱୀପ ୧୦ ପତ୍ରରେ
୨। କାଳ : କାଳ :	ଜୟନ୍ତି ସମ୍ରାଟ ପାଇଁ ଯୁଦ୍ଧ ବିଜୟ କାଳ ଦୂର ଅବେ କାଳ ପରେଇଲା	୩। ଆଧି : ଆଧି :	ବିଜୟ ପରେଇଲା କାଳ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ କାଳ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ କାଳ ଆଧି କାଳ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ ଆଧି କାଳ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ ଆଧି କାଳ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ
୪। ୫।	ଆଧି ଦ୍ୱୀପ ୧୦ କାଳ ପରେଇଲା	ଆଧି :	ଆଧି ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ ଆଧି ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ ଦ୍ୱୀପ



“ଯାର ଲୀଧନେର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ କୁ ପରୀକ୍ଷା ପାଇଁ ଓ ବର୍ଣ୍ଣନାକ ଲାଭ ନାହେ, ମେଲେ  
ଦେବାର କଣ୍ଠ ଆଦେଶ ମଞ୍ଚର ଓ ଯୋଗାତା ଆବଶ୍ୟକ କରା”

—ନେତାଙ୍କୀ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ କମ୍ପ୍ଯୁଟର ବିଭାଗ

(1982) भूषण निर्मल — श्री अमरावती शिल्प विद्यालय के छात्र  
(1982) विजय निर्मल — श्री अमरावती शिल्प विद्यालय के छात्र  
विजय निर्मल — श्री अमरावती शिल्प विद्यालय के छात्र





পজিজিক্যাল সামুদ্রিক বিদ্যালয়, পান্থনা শিক্ষণ, পিচেড়-গুলিয়া জেল, পুরুষখন্ডবুক।